दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 04
अंकः-200
मुरादाबाद
(Monday)
11 November 2024
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

झारखंड में पीएम मोदी ने भरी चुनावी हुंकार; बोले- जनता के हक की सुविधाएं JMM और कांग्रेस लूट लीं

बीते 10 दिनों में यह पीएम मोदी का झारखंड का दूसरा दौरा है। बीते सप्ताह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का घोषणापत्र जारी करने के एक दिन बाद यानी 5 नवंबर को पीएम मोदी ने राज्य का दौरा किया। उस दौरे में वह चाईबासा और गढ़वा पहुंचे थे। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान

तेज हो गया है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को झारखंड पहुंचे। यहां उनका एक मेगा रोड शो और चुनावी रैलियों का कार्यक्रम है। सबसे पहले पीएम मोदी ने बोकारो में एक जनसभा को संबोधित किया। यहां उन्होंने कहा कि झारखंड में भाजपा के पक्ष में प्रचंड आंधी चल रही है। छोटा नागपुर का ये पठार भी कह रहा है- रोटी-बेटी-माटी की पुकार, झारखंड में भाजपा-हृष्ठ सरकार। भाजपा-हृष्ठ का यहां एक ही मंत्र है। हमने झारखंड बनाया है, हम ही झारखंड संवारेंगे। ऐसे लोग कभी झारखंड का विकास नहीं करेंगे, जो झारखंड राज्य के निर्माण के विरोधी रहे हैं।उन्होंने कहा कि आज से 10 साल पहले, 2004 से 2014 तक केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, मैडम सोनिया सरकार चलाती थीं और मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री के रूप में बिठाया था। उस समय केंद्र सरकार ने झारखंड को 10 साल में बड़ी मुश्किल से 80 हजार करोड़ रुपये दिए थे। 2014 के बाद दिल्ली में सरकार बदली, आपने अपने इस सेवक मोदी को सेवा करने का मौका दिया और बीते 10 साल में हमने झारखंड को 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक दिए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा चाहती थी कि गरीब को पक्का घर मिले, शहरों-गांवों में अच्छे रास्ते बनें, बिजली-पानी मिले, इलाज की सुविधा हो, पढ़ाई की सुविधा हो, सिंचाई के लिए पानी मिले, बुढ़ापे में दवाई मिले, लेकिन छ्रुरूरू सरकार के पिछले 5 साल में आपके हक की ये सुविधाएं छ्रुरूरू और कांग्रेस के लोगों ने लूट लीं। %भ्रष्टाचारियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए लड़ाई लड़ेंगे%- पीएम मोदी ने कहा कि आप मुट्ठीभर बालू के लिए तरस रहे हैं, और इनके नेता बालू की तस्करी करके करोड़ों कमा रहे हैं। इनके पास से नोटों के पहाड़ निकल रहे हैं। अब आपने भाजपा-हृष्ठ सरकार बनाने का निर्णय कर लिया है। मैं आपसे वादा करता हूं कि सरकार बनने के बाद इन भ्रष्टाचारियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए हम अदालत में पूरी लड़ाई लड़ेंगे। आपके हक का पैसा आप पर ही खर्च होगा, आपके लिए खर्च होगा, आपके बच्चों के भविष्य के लिए खर्च होगा। %झारखंड में हमारी सरकार ने लाखों करोड़ रुपये खर्च किए%- उन्होंने कहा कि हम पीएम किसान सम्मान निधि का पैसा सीधे झारखंड के किसानों के बैंक खातों में भेजते हैं और पूरे के पूरे उन्हें मिलते हैं। ऐसे ही हाइवे, रेलवे और एयरपोर्ट के कितने ही काम होते हैं, जिसपर केंद्र सरकार सीधे खर्च करती है, किसी को बीच में से कट करने का मौका ही नहीं मिलता। झारखंड में भी हमारी सरकार ने लाखों करोड़ रुपये खर्च किए हैं। %भाजपा-हृष्ठ सरकार नए उद्योगों को बढ़ावा दे रही%- पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा-हृष्ठ सरकार नए उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। हम झारखंड में बंद पड़े पुराने कारखाने भी खुलवा रहे हैं। सिंदरी का खाद कारखाना भी तो पहले की सरकारों की कुनीति की वजह से बंद हो गया था। हमने सिंदरी खाद कारखाने को शुरू करवाया। इससे झारखंड के हजारों युवाओं को रोजगार मिला है। पेपर लीक पर कही बड़ी बात- हमने हरियाणा में खर्ची और पर्ची दोनों को दफना दिया है। हम झारखंड में भी यहीं करेंगे। यहां छ्रुरूरू-कांग्रेस ने जो पेपर लीक और भर्ती माफिया पैदा कर दिया है, उन सब पर प्रहार किया जाएगा। ऐसे सभी लोगों को पाताल में से भी ढूंढकर जेल भेज दिया जाएगा। झारखंड की हमारी बहन-बेटियों का जीवन आसान हो, ये मेरी प्राथमिकता है। हमारी सरकार की योजनाओं से बहनों को शौचालय मिले, बैंक में खाते खुले, गर्भावस्था के दौरान सीधे उनके खाते में पैसा पहुंचा है। %कांग्रेस-छ्रुरूरू की एक बहुत बड़ी साजिश से सतर्क रहना होगा%- पीएम मोदी ने कहा कि अब झारखंड भाजपा ने यहां %गोगो दीदी योजना% का वादा किया है। झारखंड की मेरी माताओं-बहनों को ये मोदी की गारंटी है कि सरकार बनने के बाद %गोगो दीदी योजना% लागू हो जाएगी। इस योजना से हमारी माताओं-बहनों के बैंक खातों में सीधे पैसे जाएंगे। ।तियों का संख्या बल एक साथ जुड़ गया, उसके बाद से कांग्रेस आज तक लोकसभा में 250 सीटें भी नहीं जीत पाई है। इसलिए कांग्रेस ह्लक्ष्ह की इस सामूहिक ताकत को तोड़ना चाहती है और इस ताकत को तोड़कर ह्लक्ष्ह को सैंकड़ों अलग-अलग जातियों में बांट देना चाहती है। कोई नहीं चाहता है कि समाज बिखरे, समाज छोटे-छोटे टुकड़ों में बंट जाए। इसलिए हमें ये हमेशा याद रखना है - एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। गुमला में एक और जनसभा- इसके बाद पीएम मोदी 3.15 बजे गुमला में एक और जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वह रांची में एक मेगा रोड शो करेंगे। रोड शो शाम करीब 5.15 बजे ओटीसी ग्राउंड से शुरू होगा और न्यू मार्केट चौक पर समाप्त होगा। पीएम का यह रोड शो तीन किलोमीटर लंबा होगा जो दो विधानसभाओं रांची और हटिया से होकर गुजरेगा। हिमंत बिस्वा सरमा ने दी जानकारी- असम के मुख्यमंत्री और झारखंड बीजेपी के सह-प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा ने इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी रांची में 3 किलोमीटर का %ऐतिहासिक% रोड शो करेंगे। इसमें बड़ी संख्या में लोगों के आने की उम्मीद है। यह एक ऐतिहासिक क्षण होगा। इसके साथ ही पीएम मोदी के रोड शो में भाजपा के कई वरिष्ठ नेता भी शामिल होंगे। 10 दिनों में दूसरा दौरा- गौरतलब कि बीते 10 दिनों में यह पीएम मोदी का झारखंड का दूसरा दौरा है। बीते सप्ताह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का घोषणापत्र जारी करने के एक दिन बाद यानी 5 नवंबर को पीएम मोदी ने राज्य का दौरा किया। उस दौरे में वह चाईबासा और गढ़वा पहुंचे थे, जहां पीएम ने रैलियों को संबोधित किया था। चाईबासा में विरोधियों पर बरसे थे पीएम- अपनी चाईबासा रैली में पीएम मोदी ने कहा कि अगर झारखंड में बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार बनी तो घुसपैठ रोकने के लिए कदम उठाए जाएंगे और आदिवासी महिलाओं की हड़पी गई जमीन वापस करने के लिए कानून बनाया जाएगा। %भाजपा के लिए आदिवासी स्वाभिमान सर्वोपरि%-मोदी ने जनसभा में आगे नारे लगाते हुए कहा था, %पूरा झारखंड एक सुर में कह रहा है- रोटी, बेटी और माटी की पुकार, झारखंड में भाजपा-राजग (एनडीए) सरकार। उन्होंने कहा, %भाजपा के लिए आदिवासी भाई-बहनों की आकांक्षा, उनका स्वाभिमान हमेशा सर्वोपरि रहा है। जब पहली बार भाजपा सरकार बनी। दिल्ली में अटल बिहारी वाजपेयी को सेवा करने का अवसर मिला। अटल देश के प्रधानमंत्री बने। तब जाकर आदिवासी समाज को झारखंड और छत्तीसगढ़ अलग राज्य मिले। ये दो राज्य बनाने का सौभाग्य भाजपा को मिला।% बता दें कि झारखंड में 81 विधानसभा सीटों पर दो चरणों में मतदान होना है। जिसका पहला चरण 13 नवंबर तो वहीं दूसरा चरण 20 नवंबर को है। इसके साथ ही 23 नवंबर को मतगणना होनी है।

संक्षिप्त समाचार

'झूठ का कारोबार करने महाराष्ट्र आ गया कांग्रेस का समोसा कॉकस', स्मृति ईरानी का तंज

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में चुनाव पूर्व वादों को पूरा करने संबंधी कांग्रेस नेताओं के दावे पर पलटवार किया। भाजपा की पूर्व सांसद ने कांग्रेस समूह को %समोसा कॉकस% कहा।हरियाणा विधानसभा चुनाव में जलेबी खूब चर्चा में रही थी। वहीं अब महाराष्ट्र और झारखंड चुनावों के बीच समोसा सूर्खियां बटोर रहा है। दोनों ही बार कांग्रेस नेता वजह बने हैं। इस बार हिमाचल प्रदेश में समोसा विवाद गहराया हुआ है। वहीं, अब हिमाचल का समोसा विवाद महाराष्ट्र में भी पहुंच गया है। भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए कांग्रेस के तीन प्रतिनिधियों को राज्य भेजे जाने पर शनिवार को आलोचना की। साथ ही उन पर झूठ फैलाने और विकास के महत्वपूर्ण मुद्दों का हल करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। इसके अलावा, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में चुनाव पूर्व वादों को पूरा करने संबंधी कांग्रेस नेताओं के दावे पर पलटवार किया। भाजपा की पूर्व सांसद ने कांग्रेस समूह को %समोसा कॉकस% कहा। साथ ही उनके पिछले कामों और बयानों के लिए उनकी चुटकी ली।झूठ का कारोबार करने आया कांग्रेस का समोसा कॉकस- उन्होंने कहा, %कांग्रेस का समोसा कॉकस झूठ का कारोबार करने महाराष्ट्र में आ गया है। उन्होंने महाराष्ट्र में जो तीन प्रतिनिधि भेजे हैं, वे अपने आप में अनोखे हैं- एक ऐसे प्रतिनिधि हैं, जिनके साथ भ्रष्टाचार शब्द जुड़ा हुआ है

'वाणिज्य-व्यवसाय से जुड़े लोगों पर व्यवस्था की मार नहीं पड़नी चाहिए', जगदीप धनखड़ बोले

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि उन्होंने हमेशा इस बात की वकालत की है कि व्यापार,

वाणिज्य, उद्योग से जुड़े लोगों पर व्यवस्था की मार नहीं पड़नी चाहिए। उन लोगों को समाज में सम्मान मिलना चाहिए। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि वाणिज्य और व्यवसाय से जुड़े लोगों पर व्यवस्था की मार नहीं पड़नी चाहिए, क्योंकि वे ही नौकरी और संपत्ति के सृजनकर्ता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि %आर्थिक राष्ट्रवाद% का सिद्धांत कुछ व्यक्तियों के वित्तीय लाभ से अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने रविवार को एक निजी शैक्षणिक संस्थान महाराजा अग्रसेन टेक्नीकल एजुकेशन सोसाइटी के कार्यक्रम में भाग लिया था। इस दौरान उन्होंने कहा कि उन्होंने हमेशा इस बात की वकालत की है कि व्यापार, वाणिज्य, उद्योग से जुड़े लोगों पर व्यवस्था की मार नहीं पड़नी चाहिए। उन लोगों को समाज में सम्मान मिलना चाहिए।भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में भी... उपराष्ट्रपति का मानना है कि यह वर्ग नौकरी और संपत्ति का सृजन करता है और सामाजिक सद्भाव में योगदान देता है। उन्होंने कहा, %वे अर्थव्यवस्था के चालक हैं। उन्होंने इस देश में समाज को कुछ वापस देने की कला सीखी है।% उन्होंने कहा कि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में भी उद्यमियों का योगदान रहा है।अनावश्यक आयात पर अंकुश लगे- उपराष्ट्रपति ने आर्थिक राष्ट्रवाद के सिद्धांतों का पालन करने की जरूरत पर भी जोर दिया। कहा कि विदेशी मुद्रा बचाने और स्थानीय उद्योग को फलने-फूलने में मदद करने के लिए अनावश्यक आयात पर अंकुश लगाना चाहिए। एक दूसरे के दृष्टिकोण को समझना जरूरी- धनखड़- उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि उन्हें विभिन्न विचारों का सम्मान करना चाहिए और सामाजिक सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए दूसरे के दृष्टिकोण को कभी भी अनदेखा नहीं करना चाहिए। अलग-अलग विचार पाठ्यक्रम को सही करने में मदद करते हैं। उन्होंने आगे कहा, %सहिष्णुता एक गुण है। यह हमारी सभ्यता के चरित्र में गहराई से समाया हुआ है। यह समाज में सद्भाव और समावेशिता का आधार है। यह सामाजिक सद्भाव का एक अविभाज्य पहलू है।% एनईपी की सराहना की- नई शुरू की गई इंटर्नशिप योजना और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की सराहना करते हुए, धनखड़ ने कहा कि एनईपी तीन दशकों की गहन चर्चा के बाद विकसित हुई, जिसमें हजारों इनपुट शामिल थे। उन्होंने कहा कि यह अनुभवात्मक शिक्षा, आलोचनात्मक चिंतन के साथ-साथ अनुसंधान के लिए उद्योग-अकादमिक साझेदारी को भी सक्षम बनाता है।

सीएम योगी का सपा पर वार, बोले-अतीक और मुख्तार थे इनके शागिर्द, BJP आई तो राम नाम हुआ सत्य

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कटेहरी से सपा पर निशाना साधा। कहा कि 500 वर्ष पहले बंटे थे। आज एकजुट हुए तो मंदिर भी बन गया। देश की सीमा भी सुरक्षित हो गई। उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर जिले की कटेहरी विधानसभा सीट पर उपचुनाव होना है। इसको लेकर रविवार को सीएम योगी आदित्यनाथ यहां पहुंचे। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। यह

जनसभा कटेहरी बाजार स्थित राम देव जनता इंटर कॉलेज में हुई। इस दौरान जनता को संबोधित करते हुए सीएम ने सपा को निशाने पर लिया। कहा कि पीडीए का असली नाम प्रोडक्शन हाउस ऑफ दंगाई एंड अपराधी है। सभी बड़े अपराधी इसका हिस्सा हैं। पहली बार सीएम ने मुख्तार और अतीक को लेकर खुलकर बयान दिया। कहा कि अतीक और मुख्तार इनके शागिर्द थे। भाजपा आई तो इन सबका राम नाम सत्य हुआ। सपा के इरादे दंगा कराने वाले हैं। बिंदुवार पढ़िए सीएम की बड़ी बातें- हरियाणा में जनता ने तीसरी बार एनडीए की सरकार बनाया है। जनता को पता है कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडी गठबंधन देश के लिए खतरनाक है। अयोध्या में 500 वर्ष तक मंदिर नहीं बना क्योंकि बटे थे तो कटे थे। अब एकजुट हुए तो मंदिर भी बना और देश की सीमा भी सुरक्षित हो गई। पाकिस्तान घुसपैठ करता था। चीन करता था। हम लोग संसद में आवाज उठाते थे कि मुंह तोड़ जवाब दो। पर संबंध खराब होने का हवाला देते थे। अब दुश्मन की धज्जियां उड़ा दी जाती हैं। सर्जिकल स्ट्राइक होती है। अब नया भारत है। छेड़ता नहीं लेकिन छोड़ता भी नहीं। सपा कांग्रेस एक ही थैली के चट्टे बट्टे हैं। कन्नौज गया तो पता चला कि बाबा साहब के नाम पर बने मेडिकल कॉलेज का नाम सपा ने बदल दिया था। हमने बाबा साहब के सम्मान में फिर से नाम कर दिया। इन्होंने एससी-एसटी की छात्रवृति रोक दी थी, हमने बहाल किया। क्योंकि हम सबका साथ सबका विकास पर काम कर रहे हैं। सपा कटेहरी को परिवारवाद का गढ़ बना देना चाहती है। शिवबाबा धाम, श्रवणधाम के लिए इन्होंने कुछ नहीं किया। हमने अयोध्या के साथ यहां भी विकास का ध्यान दिया। डॉ लोहिया को याद करते हुए कहा कि समाजवादी आंदोलन को लोहिया, जयप्रकाश नारायण जैसे लोग नेतृत्व देते थे। अब देख सपाई, बिटिया घबराई वाली हालत है। अयोध्या में सपाई को दुष्कर्म में जेल भेजा गया। कन्नौज में भी यही हुआ। पीडीए का असली नाम प्रोडक्शन हाउस ऑफ दंगाई एंड अपराधी है। कहा कि जो जितना बड़ा अपराधी होगा, वह इस प्रोडक्शन हाउस का हिस्सा होगा। इसी जिले का अपराधी खान मुबारक इनके साथ था।

संपादकीय Editorial

'Unconstitutional' action on 370

This was the political intention of the National Conference, because Article 370 and 35-A were the main election issues of the party. Although the party got only 23 percent votes, it emerged as the largest party, hence it is in power. Chief Minister Omar Abdullah knows very well that the Assembly has no right to amend the Constitution or pass such a resolution. This is also a violation of the decisions of the Parliament and the Supreme Court. Still, a resolution was presented through Deputy Chief Minister Surendra Chaudhary that the special status of Jammu and Kashmir should be restored. This status has been protected in Article 370 itself. MLAs in the Assembly scuffled and pushed and shoved over the resolution. There was even physical violence. Opposition members were forcibly pushed out of the House by the marshals. Is this a legislative House or an arena for anarchy? The ruling party knows very well that now Article 370 and 35-A cannot be restored. Prime Minister Modi has even said that Article 370 has been buried in the ground. No power in the world can bring it back now.' The Modi government itself has repealed these articles, why would it reinstate them, Kashmiri representatives also know this very well, but they are playing politics. The unparliamentary, unconstitutional, unauthorized, unethical act that has been done in the House can have such consequences that the Omar Abdullah government and the assembly can remain 'symbolic', 'on paper' and the issue of statehood can also remain pending. Article 370 was a historical mistake, so it was necessary and appropriate to correct it. There was no mention of this anywhere in the Instrument of Accession. This was a temporary provision in the Constitution. Article 370 was made a part of the Constitution on October 17, 1949, which was retained even after becoming a republic on January 26, 1950. There were three Prime Ministers from Nehru-Gandhi family, one became Congress President, the Prime Minister of Congress-led UPA government was also from Congress, but this temporary article was not removed. As a result, the 'special status' of Jammu and Kashmir continued. This status was such that it had separate arrangements for flag, constitution, citizenship and 6-year assembly etc. Many laws of India were not valid and applicable here. The founder leader of 'Jan Sangh', Dr. Shyama Prasad Mukherjee had started a movement in Kashmir under 'one constitution, one flag, one leader' and made a mysterious sacrifice. 'The Kashmir where Mukherjee sacrificed his life is ours', BJP MLAs raised these slogans in the House. In response, MLAs of Abdullah's party raised slogans- 'The Kashmir which was watered with blood, that Kashmir is ours'. This is an act to ignite the violent past in Kashmir. This may be the new agenda of Jihadis and separatism, however both the articles are dead today. On August 5, 2019, the Parliament decided to end the special status of Kashmir. 370 MPs in Lok Sabha and 125 MPs in Rajya Sabha voted in favour of the resolution to repeal Articles 370 and 35-A. Only 70 MPs of opposition parties including Congress voted in Lok Sabha. Today, how can an incomplete, dwarf assembly dare to reject that parliamentary decision and demand restoration of the status? The Constitution Bench of five judges also considered the decision of Parliament as 'constitutional'. Its violation is also a 'constitutional crime'. In fact, the politics of Abdullah family and National Conference in Kashmir has been anti-India on the basis of ideology. In the year 2000, under the patronage of the then Chief Minister Farooq Abdullah, the 'Jammu Kashmir Autonomy Resolution' was passed in the House and sent to the Central Government. It must be gathering dust somewhere today.

Remembering the jewel of India, the country has lost a great son

Today, when India is moving towards the goal of becoming developed by 2047, we can wave our flag in the world only by setting global benchmarks. I hope that Ratan Tata's vision will inspire the future generations of the country and India will strengthen its identity for world class quality. His greatness was not limited to the boardroom or helping colleagues. Today marks one month since Ratan Tata ji's death. Last month on this day, when I got the news of his demise, I was preparing to leave for the ASEAN Summit. The pain of his departure is still in my heart. It is not easy to forget this pain. India has lost one of its great sons...an invaluable gem. Even today, people from cities, towns to villages are feeling his absence. We all share this grief. Be it an industrialist or an emerging entrepreneur or a professional, everyone was saddened by his demise. People associated with environmental protection and social service are also saddened by his demise. We are feeling this grief not only in India but all over the world. Ratan Tata was an inspiration for the youth. His personality reminds us that there is no dream, no goal that cannot be achieved. He taught everyone that success can be achieved even by helping others with a humble nature. He was a symbol of the best traditions of Indian entrepreneurship and a steadfast representative of values ????like reliability, excellence service. Under his leadership, the Tata Group reached new heights, becoming a symbol of respect, honesty and credibility around the world. Despite this, he accepted his achievements with complete humility and ease. Openly supporting the dreams of others and helping to fulfill them was one of his most brilliant qualities. In recent years, he was known for guiding India's startup ecosystem and investing in ventures full of future prospects. He understood the hopes and aspirations of young entrepreneurs, as well as recognized their potential to shape India's future. By supporting the efforts of India's youth, he encouraged the new generation of new dreamers to take risks and go beyond limits. This step of his helped a lot in developing a culture of innovation and entrepreneurship. We will definitely see its positive impact in the coming decades. He always emphasized on the best quality products and services and showed the way to Indian enterprises to set global benchmarks. Today, when India is moving towards the goal of development by 2047, we can wave our flag in the world only by setting global benchmarks. I hope that Ratan Tata's vision will inspire the future generations of the country and India will strengthen its identity for world class quality. His greatness was not limited to the boardroom or helping colleagues. He also had compassion for animals. His deep love for animals was well known. He promoted every effort focused on animal welfare. He often shared pictures of his dogs, which were an integral part of his life. I remember, when people were thronging to bid him a final farewell, his dog 'Goa' also reached there with moist eyes. His life is a reminder that leadership is measured not just by achievements, but also by the ability to care for the most vulnerable. He always put the nation first. His swift reopening of the Taj Hotel after the 26/11 terror attacks was a symbol of the nation rising up in unity. His move sent a powerful message that India will not stop...India is fearless and refuses to bow down to terror. I had the privilege of knowing him very closely over the last few decades. We worked together in Gujarat, where his companies invested heavily. He was very passionate about many of these projects. When I joined the Central Government, our conversations continued and he remained a committed partner in nation-building efforts. I was particularly touched by Ratan Tata's enthusiasm for the Swachh Bharat Mission. He was a vocal supporter of this mass movement. He understood how important cleanliness and healthy habits were to India's progress. I still remember his video message for the tenth anniversary of the Swachh Bharat Mission in early October. This video message is in a way one of his last public appearances. The fight against cancer was another cause that was close to his heart. I remember the event in Assam two years ago where we jointly inaugurated a cancer hospital. He had then said that he wanted to dedicate the last years of his life to the health sector. His efforts to make health care and cancer care accessible and affordable are proof of how deeply he was compassionate towards people suffering from diseases. I also remember Ratan Tata ji as a scholar. He would often write to me on various issues, whether they were matters related to governance, appreciation of some work or congratulatory messages for victory in elections. A few weeks ago I was in Vadodara with the President of Spain Pedro Sanchez. We jointly inaugurated an aircraft factory. C-295 aircraft will be made in it. It was Ratan Tata who had started work on it. I missed him a lot at that time. Today when we are remembering him, If we remember him, we must also remember the society he envisioned, where business is a force for good, where the potential of each individual is valued, and where progress is measured by the well-being and happiness of all. Ratan Tata lives on in the lives and dreams he supported and made come true. Generations to come will be forever grateful to him for making India a better, kinder and more hopeful land.. He also had compassion for animals. His deep love for animals was well known. He promoted every effort focused on animal welfare. He often shared pictures of his dogs, which were an integral part of his life. I remember, when people were thronging to bid him a final farewell, his dog 'Goa' also reached there with moist eyes. His life is a reminder that leadership is measured not just by achievements, but also by the ability to care for the most vulnerable. He always put the nation first. His swift reopening of the Taj Hotel after the 26/11 terror attacks was a symbol of the nation rising up in unity. His move sent a powerful message that India will not stop...India is fearless and refuses to bow down to terror. I had the privilege of knowing him very closely over the last few decades. We worked together in Gujarat, where his companies invested heavily. He was very passionate about many of these projects. When I joined the Central Government, our conversations continued and he remained a committed partner in nation-building efforts. I was particularly touched by Ratan Tata's enthusiasm for the Swachh Bharat Mission. He was a vocal supporter of this mass movement. He understood how important cleanliness and healthy habits were to India's progress. I still remember his video message for the tenth anniversary of the Swachh Bharat Mission in early October. This video message is in a way one of his last public appearances. The fight against cancer was another cause that was close to his heart. I remember the event in Assam two years ago where we jointly inaugurated a cancer hospital. He had then said that he wanted to dedicate the last years of his life to the health sector. His efforts to make health care and cancer care accessible and affordable are proof of how deeply he was compassionate towards people suffering from diseases. I also remember Ratan Tata ji as a scholar. He would often write to me on various issues, whether they were matters related to governance, appreciation of some work or congratulatory messages for victory in elections. I missed him a lot at that time. Today when we are remembering him, If we remember him, we must also remember the society he envisioned, where business is a force for good, where the potential of each individual is valued, and where progress is measured by the well-being and happiness of all. Ratan Tata lives on in the lives and dreams he supported and made come true. Generations to come will be forever grateful to him for making India a better, kinder and more hopeful land.

Demand for special status, uproar in Jammu and Kashmir assembly on the third day too

It would have been better if the resolution had clarified what is meant by special state status? If the ruling National Conference and the Congress supporting it want that Jammu and Kashmir should get some of the same rights as it had under Article 370 and 35A, then this is never going to happen. The uproar on the third day in the Jammu and Kashmir assembly on the proposal for special status shows that an issue is being blown out of proportion, which is not going to benefit the people of the state. The National Conference government did not clarify what it meant while passing the resolution demanding special state status. This was probably done deliberately, so that the allegation that their government wants the return of Article 370 and 35A could be avoided, but due to this it had to face the objection of BJP MLAs and also had to bear the displeasure of PDP and independent MLAs. Due to this, there was continuous uproar in the assembly. It would have been better if the resolution had clarified what is meant by special state status? If the ruling National Conference and the Congress supporting it want that Jammu and Kashmir should get some of the rights that it had under Articles 370 and 35A, then this is never going to happen. Firstly, the Supreme Court has approved the Modi government's decision to nullify these two divisive articles and secondly, restoration of the earlier situation would mean giving fresh impetus to separatism and also depriving the Scheduled Castes and Tribes of their rights. It is strange and worrying that the PDP and independent MLAs, on the pretext of demanding the status of a special state, are not only seeking the restoration of Articles 370 and 35A, but are also insisting on re-implementing the system under which the Chief Minister of Jammu and Kashmir was called the Prime Minister. It would be better if the Omar Abdullah government accepts the truth that Articles 370 and 35A can never be restored. Chief Minister Omar Abdullah and his colleagues should not only refrain from demanding the withdrawal of these articles, but also warn those leaders who are misleading the people of Kashmir and showing them daydreams by insisting on this demand. This is all the more so because this will only provide an opportunity to the separatists and pro-Pakistan elements to become active. Its results will not be good. It cannot be ignored that since the formation of the new government, the activities of terrorists in the state seem to be increasing. The Jammu and Kashmir government has already passed a resolution demanding the restoration of the state's status. By sending this resolution to the central government, the Lieutenant Governor has given a positive message and also underlined that this demand will be fulfilled when the situation is favorable. In such a situation, it is better for the Omar Abdullah government to pay special attention to making the situation favorable.

अखिलेश यादव कुंदरकी की जनसभा में भरेंगे हुंकार

मुरादाबाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सोमवार को कुंदरकी विधानसभा के उप चुनाव में जनसभा को संबोधित करेंगे। वह अपनी पार्टी के प्रत्याशी मोहम्मद रिजवान के समर्थन में जनसभा कर जीत की हुंकार भरेंगे। पार्टी कार्यालय की ओर से उनकी जनसभा का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इसके बाद स्थानीय स्तर पर पार्टी के पदाधिकारी जनसभा को ऐतिहासिक बनाने में जुट गए हैं। वह लखनऊ से निजी विमान से 11:50 बजे बरेली एयरपोर्ट पर आएंगे। इसके बाद 12:10 बजे वहां से प्राइवेट हेलीकॉप्टर से उड़ान भरकर 12:30 बजे जनसभा स्थल मुरादाबाद-कुंदरकी मार्ग पर ग्राम कनक दोयम में हिंदुस्तान पेट्रोल पंप के पीछे पहुंचेंगे। जहां वह पार्टी के प्रत्याशी मोहम्मद रिजवान के समर्थन में जनसभा करेंगे। 2:00 बजे वह जनसभा स्थल पर बने हेलीपैड से प्राइवेट हेलीकॉप्टर से बरेली एयरपोर्ट के लिए वापस चले जाएंगे। इसके बाद वहां से वह लखनऊ के अमौसी हवाई अड्डे के लिए उड़ान भरेंगे। जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष की जनसभा का कार्यक्रम पार्टी की ओर से जारी हो गया है। उसके अनुसार सभी तैयारियां की जा रही हैं। जनसभा ऐतिहासिक होगी। इसमें बड़ी संख्या में लोग जुटेंगे।

अमरोहा में नौकरानी कर गई बड़ा कांड: कारोबारी के घर से उड़ाए 27.5 लाख, सौतेली बहन भी आती थी लगातार उससे मिलने

मुरादाबाद अमरोहा के कारोबारी की कोठी की देखभाल करने वाली महिला ने लाखों की चोरी कर ली। इसके बाद पति व सास के साथ फरार हो गई। पुलिस ने चोरी को अंजाम देने वालों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अमरोहा के कारोबारी की कोठी की देखभाल करने वाली महिला ने 27.5 लाख रुपये चोरी कर लिए। इसके बाद महिला पति और सास के साथ लापता हो गई। पुलिस ने मामले में तीनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। अमरोहा निवासी कारोबारी खालिद परवेज का अमरोहा और बदायूं में कारोबार है। दोनों जगह उनकी कोठी भी बनी हैं। इनकी देखभाल बदायूं के गांव आरिफपुर नवादा निवासी सबीना करती थीं। सबीना की सौतेली बहन शबाना भी उसके पास आती जाती थी।30 सितंबर 2024 कारोबारी खालिद ने 27.5 लाख रुपये पर्सनल असिस्टेंट गयासुद्दीन को दिए थे। 31 सितंबर को गयासुद्दीन ने वह राशि अमरोहा स्थित परवेज विला नाम से बनी कोठी के कमरे में रख दिए थे और उसका ताला लगा दिया था।इस दौरान कारोबारी खालिद परवेज उनके परिवार के सदस्य और शबाना भी मौजूद थी। जिसके बाद गयासुद्दीन खालिद के साथ दिल्ली चला गया। परवेज विला कोठी की चाबी लैंडमार्क कॉलेज डिडौली में कार्यरत मैनेजर जीशान अहमद को देकर गए थे। लेकिन, शबाना सास आसमान और पति इकबाल उर्फ टिल्लू के साथ जीशान अहमद के पास पहुंची और कोठी की चाबी मांगी। कहा, कोठी में सबीना का बैग रह गया है। लिहाजा, जीशान तीनों के साथ कोठी पर आए। इस बीच शबाना ने जीशान को चाय बनाकर पिला दी। जिसके बाद जीशान को नशा हो गया। इसका फायदा उठाकर शबाना पति और सास के साथ नोटों से भरा बैग चोरी कर ले गई। होश में आने पर जीशान ने गयासुद्दीन को इसकी जानकारी दी। चार नवंबर को गयासुद्दीन अमरोहा पहुंचे तो नोटों से भरा बैग गायब था। जिसके बाद कारोबारी खालिद ने शबाना से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसका मोबाइल बंद आ रहा है। सीओ अरुण कुमार ने बताया कि मामले में शबाना, उसके पहले पति इकबाल और सास आसमान के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

मुरादाबाद में मुफ्त वाईफाई: हर माह 6000 जीबी डेटा खर्च करते हैं महानगर के लोग, 35 स्थानों पर मिल रही सुविधा

मुरादाबाद के 35 स्थानों पर फ्री वाईफाई की सुविधा मिल रही है। शहर के लोग इसका उपयोग कर रहे हैं। खासकर अकबर का किला क्षेत्र के लोग इसका ज्यादा लाभ उठा रहे हैं।स्मार्ट सिटी की ओर से शहर के 35 स्थानों पर प्रदान की जा रही फ्री वाईफाई की सुविधा का शहरवासी जमकर लाभ उठा रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार शहरवासी हर महीने छह हजार जीबी से अधिक यानी प्रतिदिन 200 जीबी से ज्यादा सरकारी डाटा की खपत कर रहे हैं। इसमें सबसे ज्यादा खपत अकबर का किला क्षेत्र में हो रही है, जहां हर महीने 800 से 900 जीबी डाटा का इस्तेमाल मोबाइल उपभोक्ता कर रहे हैं। वहीं, एमडीए पार्क, सर्किट हाउस, कमिश्नरी चौराहा और रोडवेज बस अड्डा क्षेत्र में कम खपत है। इन क्षेत्रों में हर महीने 200 से 500 एमबी की ही खपत ही हो रही है। अक्तूबर महीने की बात की जाए तो शहरवासियों ने कुल 6200 जीबी इंटरनेट डाटा का इस्तेमाल किया है।इसमें अकबर का किला, कांशीराम पार्क, कचहरी गेट क्षेत्र में लोगों ने 500 से 900 जीबी डाटा इस्तेमाल किया है। दूसरी ओर सर्किट हाउस, कमिश्नरी चौराहा, इंपीरियल तिराहा, एमडीए पार्क जैसे क्षेत्रों में इस सुविधा का लाभ बेहद कम लोगों ने उठाया है। हालांकि, इन क्षेत्रों में आसपास के दुकानदारों, युवाओं और राहगीरों को इस फ्री वाईफाई की सुविधा के बारे में जानकारी ही नहीं है। यहां तक की स्थानीय पार्षद की इस सुविधा के बारे में जानकारी नहीं है, जबकि को भी स्मार्ट सिटी गई थी। ऐसे ले सकते हैं सुविधा का लाभ- जिन 35 मार्च 2023 में निःशुल्क वाईफाई की सुविधा शुरू की स्थानों पर स्मार्ट सिटी की ओर से फ्री वाईफाई की सुविधा दी गई है, वहां 150 मी. की दूरी तक मोबाइल उपभोक्ता अपने फोन में रोजाना आधे घंटे तक फ्री इंटरनेट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए अपने मोबाइल में वाईफाई ऑप्शन में जाना होगा। वहां पर एमएससीएल (रूस्ट्रु) का नेटवर्क मिलेगा। इस पर क्लिक करने के बाद स्वतः एक लिंक प्राप्त हो जाएगा। इस लिंक पर क्लिक करके उपभोक्ता को अपना मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा। इसके बाद एक ओटीपी आएगा। ओटीपी डालने के बाद आधे घंटे तक फ्री इंटरनेट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इन स्थानों पर मुफ्त वाईफाई - अकबर किला तिराहा, अमरोहा गेट, आजाद नगर पार्क, सर्किट हाउस गेट, कमिश्नरी चौराहा, जिला अस्पताल, राजकीय इंटर कॉलेज, जीआईसी चौराहा, इंपीरियल तिराहा, जामा मस्जिद चौराहा, कचहरी गेट, कांशीराम पार्क, केजीके डिग्री कॉलेज, लालबाग पुलिस चौकी, मंडी चौक, मानसरोवर पार्क, एमडीए पार्क, एमएचएससी पीतलनगरी, नवीन नगर मार्केट, पार्श्वनाथ प्लाजा, पीतलनगरी बस स्टैंड, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (बुद्धि विहार), आरएन इंटर कॉलेज, रामलीला ग्राउंड, रोडवेज हरपाल नगर, साईं मंदिर, सोनकपुर स्टेडियम, ट्रैफिक ऑफिस, विवेकानंद अस्पताल और विल्सोनिया डिग्री कॉलेज में मुफ्त वाईफाई की सुविधा है। हालांकि, कई जगहों पर स्पीड बेहद धीमी होने के चलते लोग इस सुविधा का लाभ नहीं पा रहे हैं। साथ ही डीआईजी ऑफिस, हिंदू कॉलेज, कांशीराम गेट, सेल्स टैक्स ऑफिस और टॉउन हॉल में प्रदान की गई यह सुविधा फिलहाल मेंटेनेंस कार्य के चलते ठप है। युवा इस सुविधा का खूब इस्तेमाल कर रहे हैं। अन्य लोगों को भी जागरूक किया जाएगा। जहां इंटरनेट स्पीड कम है, वहां सुधार के लिए एजेंसी से कहा गया है। यह सुविधा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए मुफीद है, जो मुफ्त में पढ़ाई से संबंधित फाइलें डाउनलोड कर सकते हैं। - एके मित्तल, मुख्य अभियंता, स्मार्ट सिटी

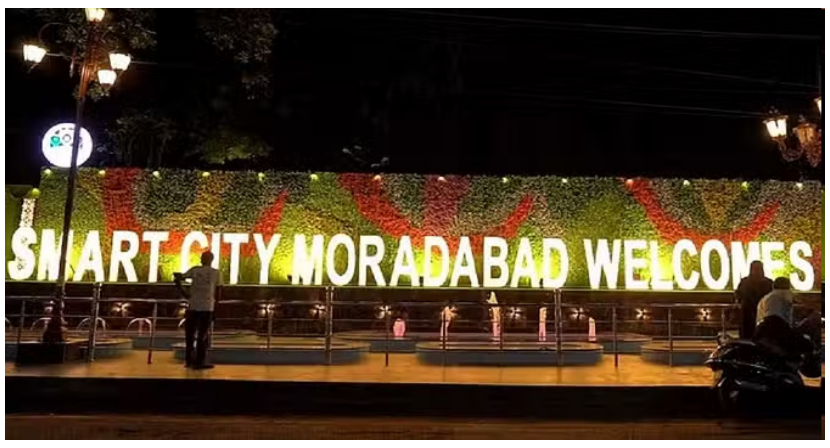

प्रमोद कृष्णम का बड़ा बयान: राहुल किसी का सम्मान नहीं करते... वह गमले में उगे नेता, अमित शाह राजनीति के बरगद

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने राहुल गांधी को गमले में उगा नेता और अमित शाह को बरगद कहकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस के पतन के लिए राहुल को जिम्मेदार ठहराया। भाजपा में शामिल होने पर कहा कि पार्टी से ज्यादा महत्वपूर्ण जनता की सेवा करना है।संभल के ऐंचोड़ा कंबोह स्थित श्री कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला किया है। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने राहुल गांधी को गमले में उगा नेता करार दिया। इसके साथ ही उनकी तुलना भारतीय जनता पार्टी के नेता अमित शाह से की, जिन्हें उन्होंने बरगद की तरह बताया। कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी में नेताओं जैसा प्रभाव और परिपक्वता नहीं है जबकि शाह का राजनीतिक कद बरगद के समान बड़ा और स्थिर है। उन्होंने राहुल पर आरोप लगाया कि वह किसी का सम्मान नहीं करते और कांग्रेस का पतन उन्हीं के कारण हुआ है।कांग्रेस नेताओं के आने से अपशगुन हो जाता - कृष्णम ने कल्कि महोत्सव के कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं के शामिल होने के सवाल पर कहा कि कांग्रेस नेताओं के आने से अपशगुन हो सकता था। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के नेताओं की गैरमौजूदगी से हाईकोर्ट ने कल्कि धाम के निर्माण का रास्ता साफ कर दिया है और यह उनके लिए राहत की बात है। 15 सालों में कांग्रेस को कर दिया बर्बाद--हुल गांधी पर हमला जारी रखते हुए प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राहुल ने पिछले 15 सालों में कांग्रेस का अस्तित्व खत्म कर दिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आजादी के बाद जितना नुकसान बड़े कांग्रेसी नेता नहीं कर पाए, उतना राहुल गांधी ने कर दिया है। आचार्य ने यह भी कहा कि अब देखना होगा कि वह विपक्ष को कितनी जल्दी बर्बाद करते हैं और इसके लिए उन्हें विपक्ष का नेता बनने पर बधाई दी। मोदी को दिया भारत के सम्मान का श्रेय- प्रमोद कृष्णम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया में भारत का जो सम्मान बढ़ा है, वह पहले कभी देखने को नहीं मिला और इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है। आचार्य ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत रक्षा और संसाधनों के क्षेत्र में मजबूत हुआ है और देश लगातार विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। अयोध्या कभी नहीं हारती'- अयोध्या लोकसभा सीट हारने के सवाल पर प्रमोद कृष्णम ने कहा कि किसी प्रत्याशी की हार को अयोध्या की हार नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि अयोध्या कभी नहीं हारी है और न ही कोई उसे हरा सकता है। प्रत्याशियों का जीतना-हारना राजनीति का हिस्सा है, परन्तु इसे अयोध्या से जोड़ना सही नहीं है। भाजपा में शामिल होने पर बोले- बड़ी बात पार्टी नहीं, सेवा है- भाजपा में शामिल होने के सवाल पर प्रमोद कृष्णम ने कहा कि पार्टी में शामिल होना बड़ी बात नहीं है, बल्कि जनता की सेवा करना ज्यादा महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भाजपा को उत्तर प्रदेश में जो नुकसान हुआ है, उसकी समीक्षा पार्टी के उच्च स्तरीय नेता कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

हाईवे के आधुनिक कैमरे रखेंगे रफ्तार पर नजर, कम होगी हादसों की संख्या, 250 करोड़ खर्च होने की संभावना

एनएचएआई हापुड़ से बरेली तक 220 किमी लंबे हाईवे पर एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एटीएमएस) लगाने जा रहा है। इस प्रणाली के तहत हर किलोमीटर पर हाईटेक कैमरे लगाए जाएंगे, जो ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन की सूचना पुलिस तक तुरंत पहुंचाएंगे। मुरादाबाद में कमांड एवं कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा।एनएचएआई हापुड़ से लेकर बरेली हाईवे तक एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एटीएमएस) के तहत हाईटेक कैमरे लगाने की योजना है। इस पर 250 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस सिस्टम के माध्यम से हाईवे पर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन होने पर पुलिस तक तत्काल जानकारी पहुंच जाएगी। इसके अलावा वाहन चालक की सभी गतिविधियां सीसीटीवी में कैद होंगी। मुरादाबाद एनएचएआई के अधिकारियों ने हापुड़ से लेकर हाईवे बरेली तक एटीएमएस लगाने के लिए सर्वे किया है। प्रस्ताव के तहत हाईवे पर एटीएमएस के माध्यम से वाहनों पर नजर रखी जाएगी। प्रत्येक एक किलोमीटर पर हाईटेक कैमरे लगाए जाएंगे, जो वाहनों के नंबर पढ़ने में देर नहीं लगाए जाएंगे।सिस्टम स्थापित करने के लिए मुरादाबाद में कमांड एवं कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। यदि कोई वाहन हाईवे पर ओवर स्पीड, गलत साइड से चल रहा है तो उसकी जानकारी जिले की पुलिस को तत्काल एप के माध्यम से मिल जाएंगी। साथ ही ऑनलाइन चालान भी पुलिस कर सकती है। यदि कोई वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है तो कंट्रोल रूम को उसकी जानकारी मिल जाएगी। एनएचएआई के वाहनों की मदद से घायलों को अस्पताल तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। पुलिस भी घटना में प्रयुक्त वाहनों की पहचान कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। इसके अलावा हाईवे की सड़क खराब होने पर विभाग को जानकारी आसानी से मिल सकेगी। संभावना है कि इस प्रस्ताव को शीघ्र मंजूरी मिलेगी। इस सिस्टम को लगाने में करीब 250 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस बारे में एनएचएआई के पीडी अरविंद कुमार का कहना है कि उन्होंने एक प्रस्ताव मुख्यालय भेज दिया है। खतरनाक ढंग से वाहन चलाने वाले पकड़े जाएंगे। हापुड़ से लेकर बरेली मार्ग की लंबाई लगभग 220 किमी है। इसमें कई अंडर पास भी निर्मित हैं। राज्य कर विभाग (प्रवर्तन) को भी एटीएमएस से मदद मिलेगी। छह माह में 219 सड़क हादसे- जिले में जनवरी से लेकर जून तक 219 सड़क हादसे हुए हैं। इनमें 118 लोगों की मौत हुई थी। 204 लोग घायल हो गए थे। इसमें हाईवे पर भी कई हादसे हुए हैं। अमूमन हाईवे पर हादसा होने के बाद एनएचएआई के एंबुलेंस चालक को काफी देर में सूचना मिलती है। हादसे के बाद घटना के कारणों का पता नहीं चल पाता है। एटीएमएस के लगाए जाने के बाद घटनास्थल का शीघ्र पता चलेगा। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया जा सकता है। घटना के कारणों को जानने में आसानी होगी। पुलिस की समीक्षा में आया है कि तेज रफ्तार के कारण अधिक हादसे हुए हैं। रिंग रोड और अन्य मार्गों को भी जोड़ा जाएगा - एनएचएआई के अधिकारियों का कहना है कि 2025 तक रिंग रोड भी बनकर तैयार हो जाएगी। इस सिस्टम को रिंग रोड पर भी स्थापित किया जा सकता है। इस सिस्टम से दुर्घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी। प्रशासन इसके लिए तैयार हा गया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

शामली में ग्रामीणों ने एसपी सहित पुलिस कर्मियों का किया सम्मान हत्या बैंक लूट की घटना का खुलासा होने पर खुशी जताई

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली के टीटोली गांव में एसओजी और स्थानीय कोतवाल पुलिस टीम को आज ग्रामीणों ने सम्मानित किया यह सम्मान उन्हें एक्सिस बैंक लूट और होटल व्यापारी की हत्या के मामले में सफल अनावरण के लिए दिया गया ग्रामीणों ने पुलिस कर्मियों को माला पहनकर शील्ड देकर सम्मान किया और जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस से अपील की मामला 2 महीने पहले सदर कोतवाली क्षेत्र के सामने आया था जब एक होटल व्यापारी की दिन निकलते ही हत्या उसके ही बेटे ने कर दी थी इसके कुछ समय बाद सदर सिटी में एक्सिस बैंक से दिनदहाड़े 40 लाख रुपए की लूट हुई इन घटनाओं के कुलसी के लिए एस ओजी सर्विलेंस टीम और सदर कोतवाली पुलिस पूरी तरह कार्यरत थी कुछ ही दिनों मेहनत के बाद पुलिस ने दोनों मामलों का सफल अनावरण कर दोनों आरोपियों को जेल भेजा इसी उपलक्ष्य में टीटोली गांव में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां सपा राम सेवा गौतम की उपस्थिति में एसओजी सर्विलांस टीम और सदर कोतवाली पुलिस के उन कर्मियों का सम्मान किया उन्हें कड़ी मेहनत से होटल मालिक की हत्या और बैंक लूट का पर्दाफास किया ग्रामीणों ने पुलिस कर्मियों को माला पहनकर शील्ड देकर सम्मान किया और कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की

मंदिर सहित तीन घरों में चोरी परिवार सोते रहे कर लाइसेंसी बंदूक समेत लाखों का सामान उड़कर भागे

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली के करण क्षेत्र के गांव पंजीठ में अज्ञात मैं अज्ञात चोरों ने सैनी समाज के दो घरों और एक मंदिर मैं चोरी की वारदात को अंजाम दिया चोरों ने दोनों घरों में नगदी और कीमती जेवर और मंदिर से नगदी समेत कीमती घटना के बाद पुलिस पहुंचकर कानूनी यह वारदात शनिवार बाद चोरों ने पवन (सैनी के घरों और गांव सैनी के मंदिर को खेत के रास्ते से आकर घुस गए कीमती सामान सैनी के घर में भी समय बाहर से दरवाजे करीब डेढ़ लाख रुपए चांदी के जेवर चुरा इस तरह की लगातार लोग नाराज हैं 3 महीने पहले झाड़ खेड़ी में भी एक सैनिक समाज के व्यक्ति के घर चोरी हुई थी जिन्होंने कर लाइसेंसी बंदूक समिति सामान ले गए

सामान चुरा लिया नियमों के पर कार्यवाही शुरू की की रात 12:00 के बबलू) और प्रवीण के बाहर स्थित पुष्कर निशाना बनाया कर गेट कट कर घर में चोरी कर लिया पवन परिवार के सोते की कुंडी लगाकर की नगदी और सोने लिए सैनी समाज में हो रही चोरियों से

मुरादाबाद श्री आशुतोष शुक्ला द्वारा गुमशुदा की तलाश व बरामदगी हेतु चलाये जा रहे अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच -यूसुफ

मुरादाबाद आपरेशन मुस्कान卐 के अन्तर्गत क्षेत्राधिकारी रेलवे मुरादाबाद के निकट पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी बरेली जंक्शन के नेतृत्व में जीआरपी टीम बरेली जंक्शन को प्लेटफॉर्म गस्त/ चेकिंग के दौरान थाना कोतवाली देहात जनपद बहराइच से 03 नाबालिग युवतियों के घर से नाराज होकर ट्रेन नं0 04095 अयोध्या कैण्ट आनन्द विहार स्पेशल की महिला बोगी में सवार होकर जाने की सूचना प्राप्त हुयी। जीआरपी टीम द्वारा सूचना पर तत्काल संज्ञान लेकर चाइल्ड हेल्पलाइन कर्मचारियों की मदद से 03 नाबालिग युवतियों 1-नाम...निवासी...थाना कोतवाली देहात जिला बहराइच उम्र करीब 14 वर्ष 2-नाम.....निवासी.....मो0 खतरीपुरा डीएम चौराहा जिला बहराइच उम्र करीब 14 वर्ष 3-नाम....निवासी...थाना कोतवाली देहात जिला बहराइच उम्र करीब 14 वर्ष को ट्रेन नं0 04095 उपरोक्त से बरेली जंक्शन पर उतारा गया एवं युवतियों के परिजनों को दूरभाष पर कुशलता से अवगत कराने के पश्चात तीनों नाबालिगों को चाइल्ड हेल्पलाइन सुपरवाइजर दिव्या कठेरिया के सुपुर्द कर ONE STOP CENTRE भेजा गया।

भारतीय किसान यूनियन की मासिक पंचायत हुई,एसडीएम को समस्याओ से भरा ज्ञापन सौंपा

क्यूँ न लिखूँ सच - पवन कुमार

कोंच(जालौन) आज भारतीय किसान यूनियन की मासिक पंचायत गल्ला मंडी मे हुई इसकी अध्यक्षता करणवीर सिंह ईटा ने की बैठक के बाद एसडीएम को सम्बोधित ज्ञापन दिया इस ज्ञापन मे अवगत कराया गया है की तहसील का किसान डी ए पी खाद के लिये परेशान है एक बोरी को सुबह से शाम तक हो जाती है पर्याप्त उपलब्धता कराई जाए जिससे किसानो को समय से खाद मिल सके खाद पर नैनो यूरिया और डी ए पी जबर जस्ती न थोपी जाए अभी तक किसान ग्राम भदेवरा अवनीश पुत्र संतोष कुमार की मौत करेंट लगने से हो गई थी जिसमे विभाग दोषी है कई बार अवगत कराया गया लेकिन तार और पोल नही ठीक किये गए तार जमीन को छु रहे है विभाग के खिलाफ एफ आई आर कराकर कानूनी कार्यवाही की जाये मनोरी और दिरावटी मेंन लाइन भी पूरी तरह से जर्जर है ठीक कराई जाये सरकारी टयूबेल्स पूरी तहसील मे खराब है उनको शीघ्र ठीक कराया जाये लोना माइनर मे कुवर पुरा मे पास टेल बनाई जाये जो की टूट गई है ग्राम सदुपुरा से केशव गढ़ तक नाला खुदाई ग्राम पण्यारा मे तालाब से पास बनी पुलिया मौजा अटा तथा मोहमदा मे गुलो की सफाई कराई जाये तहसील से अन्ना जानबरो पर लगाम लगाई जाये तथा गाँव शिवनी बुजुर्ग मे गोशाला बनवाई जाये चना तथा गेहूं का बीज व कीट नाशक दवा सरकारी गोदामो मे उपलब्ध कराया जाये कोंच गल्ला मंडी मे व्यापारी द्वारा धान खरीद पर दो प्रतिशत काटा जा रहा है और छह दिन बाद किसानो को दिया जा रहा जो की किसानो के साथ घोर अन्याय है इस अवसर पर डा केदार नाथ निरंजन तहसील अध्यक्षा चतुर सिंह पटेल तहसील महासचिव डा पी डी निरंजन कौशल किशोर जगदीश प्रसाद राकेश कुमार मलखान सिंह बीरेंद्र सिंह नेत सिंह रामदत्त देवेंद्र कुमार गणेश राम सिंदूर वीर सिंह सहित कई यूनियन से जुड़े लोग मोजूद

राम वनवास लीला मे कलाकारों ने अच्छा मंचन किया

क्यूँ न लिखूँ सच -राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) श्री बाल राम लीला समिति भुजरया प्रताप नगर के तत्वाधान मे बीती रात राम लीला रंग मंच पर राम बनवास लीला का आयोजन किया गया इस राम वनवास लीला मे अयोध्या नरेश महाराजा दशरथ अपने दरबार मे मंत्री गणो की सभा बुलाते है और अपने ज्येष्ठ पुत्र राम को राजा बनाये जाने की बात पूछते है सभी मंत्री राजा इस प्रस्ताव पर मंजूरी देते है और राम को राजा बनाने को लेकर तेयारी शुरू हो जाती है लेकिन यह राजा का प्रस्ताव देवी देवताओ को अच्छा नही लगता है वह माँ सरस्वती से निवेदन करते है की माँ यह प्रस्ताव को न होने दे माँ सरस्वती उनकी बात को मान लेती है तभी महाराजा दशरथ की प्रिय दासी महारानी केकेई अपने महल मे जाकर राजा के आने को लेकर झूले पर झूल कर आनंद ले रही और झूलेने पवन की आई बहार गीत प्यार झलके गीत गाती है अपने पिया की प्रेम पुजारिन करके बैठी प्रिय दासी मंथरा महल मे सरस्वती द्वारा मंथरा की महारानी केकेई उसकी चरित्र फिर मांगना उन केकेई के महलो की तरफ सच बता मुझे आया हूँ इस अवसर विशेष न जानती हूँ कोप भवन मे है यह कहकर महारानी की दशा देख कर सरोबर मे कहाँ से आज देखकर होता उसे ही ताप अरे जो तुमे प्राण से प्यारा देखने आया शुमदित इतना क्यों बिखराई मोती केकेई द्वारा तुमने हमसे प्यार अपना गीत के बाद केकेई उदासी हो कल से ही तपसी रानी से एक मार्मिक गीत केकई न मांगो यह बरदान चौदह वरश का वन पे प्रस्थान मेरी विनती सुनो महारानी ठानो न ऐसी ठान राम बिना दशरथ के कैसे रह सकते है प्राण मेरी विनती सुनो महारानी महारानी केकेई द्वारा सुंदर गीत सुन लो सूर्यवंश बरदानी कहती आज है केकेई रानी प्रतिज्ञा तोड़ो न छोड़ो न जो ठानी सो ठानी और राम को चौदह वर्ष के लिये वनवास भेज देती है इस वनवास लीला मे राजा दशरथ का बढिया अभिनय राम किशोर पुरोहित ललिया महारानी केकेई का सुंदर रोल विनीत मिश्रा दासी मंथरा का शानदार अभिनय दीपक सोनी ने किया इस अवसर पर राजेश्वरी यादव सीताराम अग्रवाल अमीन साहब सुनील यादव राम लीला समिति के अध्यक्ष ब्रजभूषण खरे मंत्री माधव यादव सभासद हरिओम यादव फतुले लाल्लूराम मिश्रा संजय रावत पवन खिलाडी नंदराम सोनी मनोज सोनी जशोदा सुरेश अग्रवाल संजय मिश्रा राम मोहन अग्रवाल विजय मिश्रा पिंटू मल्लू गुप्ता दीपक मिश्रा अरुण बाजपेयी सुनील यादव पप्पू चौधरी सभासद राहुल वर्मा सभासद मनोज निरंजन मुन्नु विशाल बहरे छोटू लला यादव राम दास लखेरे संतोष बिलेया रुचिर रस्तोगी मुकेश सोनी राम दास नायक भास्कार सिंह माणिक सभासद विनोद सोनी सभासद लकी दुबे विक्की दुबे बललू अग्रवाल अन्चल बिलेया मारुति नंदन चन्दगी राम महेंद्र यादव लला पारस मणि अग्रवाल आशीष यादव दीपेंद्र अग्रवाल सहित कई लोग मोजूद रहे

श्रृंगार हो आज आये पिया मोरे गीत गा रही है उसी दरम्यान महारानी की आ जाती है और राम को राजा बनाये जाने की बात बताती है लेकिन बुद्धि फेर राजा राम को राजा न बनने को लेकर चाल चलती है और कुटिल चाल मे फस जाती केकेई से कहती है की पहले दिखलाना त्रिया बरदानो को कहकर कोप भवन को भेज देती है महाराजा दशरथ महारानी आ रहे तभी दशरथ द्वारा दासी रीलेखा को बुलाकर पुँछते है रीलेखा सच लिए वह सुमुखी सुलोचनी तेरी मक्षली सरकार कहाँ रीलेखा द्वारा महारानी बेसक कुछ उलछन मे है अपराध क्षमा हो दासी का महारानी दुविधा मे पड जाते है पर वह कोप भवन की तरफ आ जाते है कोप मे पूछते है अरे क्या कारण की महलो मे उदासी आज छाई है भरे निर्मल काई है छुपाये चन्द्र मुख को आज ठण्डी सासँ लेती क्यों अरे जो शीतल देती क्यों । क्या कारण कोप भवन का है क्यों भारी छिन् छिन तुमको है है कल उसके अभिषेक का शुभ दिन है रानी उठो बैठो हसों बोलो तुम्हे ही उमन्गो मे दशरथ जी द्वारा रानी क्यों श्रृंगार नशाया अपना क्यों रूठी हो माला क्यों त्यागे कन्गना गीत गाकर कोप भवन का कारण पूछते है जताया इतना जान गई मे सजना अपनो जैसी करी न तुमने क्यों कहते हो अपने दो बरदान मांग लेती है पहला बर जो की राम राजा हो रहा है वह बनाकर वन वासी हो यह कहकर राजा दशरथ अबाक रह जाते है और

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

पंचतत्व में विलीन हुए, मण्डल अध्यक्ष के0के0 गुप्ता ,भारी संख्या में पहुंचे समर्थक

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं मण्डल अध्यक्ष केके गुप्ता उर्फ़ किशनु लाला को हृदयगति हो गया। अंतिम संस्कार घाट में किया उनके बड़े बेटे ने दी। इस

74 का शनिवार रुक जाने से निधन रविवार को उनका नगर के ही शमशान गया।मुख्यगनि अनिल कुमार गुप्ता दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि अमित गुप्ता, धनपाल सिंह, पूर्व चेयरमैन अशोक कुमार गुप्ता,शिक्षक प्रदीप कुमार गुप्ता, पूर्व वरिष्ठ लिपिक जगदीश गंगवार, मनोज कश्यप, राकेश शर्मा, अरविंद प्रजापति, मुन्ना लाल कनौजिया, सहित भारी संख्या में उनके समर्थक मौजूद रहे।

रावण ने छल से किया सीता का हरण

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। नगर में चल रही ऊं राम चरित्र आदर्श रामलीला मण्डल श्री धाम अयोध्या के कलाकारों द्वारा प्राचीन रामलीला का संगीतमय मंचन किया जा रहा है।

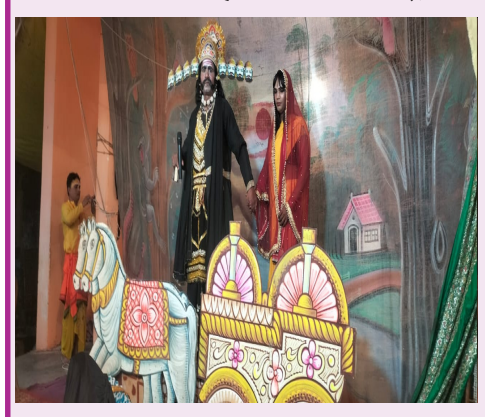

रविवार को सूर्पनखा के नाक -कान काटने,सीता हरण की लीला का मंचन किया गया।जटाऊ द्वारा बताया गया उसे लंका का राजा रावण उन्हें छल से उठा ले गया है। इस मौके पर चेयरमैन प्रतिनिधि , मेला अध्यक्ष अमित गुप्ता, महन्त तुलसीदास महाराज, पूरनलाल कश्यप, मनोज कश्यप, पप्पू कश्यप,सोनी गुप्ता, लोकेश कुमार गुप्ता, रमेश वर्मा, राजीव उर्फ़ लवकुश साहू सहित भारी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

कारोबारी का कत्ल: कर्जा और ब्लैकमेलिंग... बार में पिलाई बीयर, फिर सैफ ने रेत दिया गला; चौंकाने वाली है वजह

गोरखपुर में कारोबारी की हत्या का खुलासा हो गया है। पुलिस ने मुठभेड़ में आरोपी सैफ को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं।गोरखपुर के चिलुआताल इलाके में व्यापारी अनिल गुप्ता की हत्या का आरोपी गोरखनाथ इलाके के जटेपुर उत्तरी निवासी मो. सैफ पुलिस मुठभेड़ में पकड़ा गया। शनिवार को भोर में वह नेपाल भागने की फिराक में था, तभी मानीराम के पास पुलिस टीम ने उसे घेर लिया। वह भागने के लिए फायर करने लगा। जवाबी कार्रवाई में मो. सैफ के पैर में गोली लग गई और वह वहीं गिर गया। पूछताछ में सैफ ने बताया कि वह कर्ज को लेकर परेशान था। अनिल के गले में सोने की मोटी चेन देखी तो लालच में आकर गला रेत उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने घायल सैफ को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वहां उपचार कराकर देर शाम चिलुआताल पुलिस ने उसे जेल भिजवा दिया।कपड़ा व्यापारी की हुई थी हत्या- सैफ के पास से एक तमंचा और लूटी गई सोने की चेन, चाकू व वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद हुई है। हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए पुलिस लाइंस में एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर और एसपी उत्तरी जितेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि पांच नवंबर को चिलुआताल इलाके के एकला नंबर एक के यादव टोला निवासी कपड़ा व्यापारी अनिल गुप्ता (35) की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। 100 सीसीटीवी कैमरे और 12 मोबाइल नंबरों की जांच पड़ताल के बाद मो. सैफ का नाम सामने आया। वारदात के बाद वह पत्नी और बेटे को दूसरी जगह शिफ्ट कर फरार हो गया था।तीन एप से लिया था लोन, ब्लैकमेलिंग से बचने के लिए रची हत्या की साजिश प्रेम विवाह कर पत्नी का शौक पूरा करने के लिए मोबाइल के जानकार मो. सैफ ने तीन अलग-अलग कंपनियों के लोन एप डाउनलोड कर काफी रुपये कर्ज लिए थे। इधर, ऑनलाइन लोन देने वाली कंपनी उसको जल्द रकम जमा करने के लिए धमकी देते थे। उसको ब्लैकमेल भी करना शुरू कर दिया था। उसके दोस्तों और रिश्तेदारों के पास भी उसकी अश्लील फोटो भेजी जा रही थी। मो. सैफ का कहना है कि मुझे लगा कि अनिल की चेन बेचकर वह अपना कर्जा चुकता कर देगा और ब्लैकमेलिंग से छुटकारा मिल जाएगा। इसलिए हत्या की साजिश रची।हाथ से अंगूठी निकालने का प्रयास किया... मो. सैफ ने बताया कि अनिल की हत्या करने के लिए तीन चाकू खरीदे थे। घटना वाले दिन ही दो चाकू जल्दबाजी में गिर गए थे। पांच नवंबर को बीयर पिलाने के नाम पर उसे कोतवाली इलाके में आर्य नगर स्थित एक बार में ले गया। वहां पर आठ बीयर की केन मंगाई गई थी। बार का पैसा भी अनिल ने ही अपने मोबाइल एप के जरिए दिया।

वाराणसी सामूहिक हत्याकांड: 20 अक्तूबर को खाली किया फ्लैट...तभी कंपनी छोड़ी; विक्की को लेकर चौंकाने वाला खुलासा

वाराणसी सामूहिक हत्याकांड में एक और नया खुलासा हुआ है। विक्की ने अहमदाबाद का फ्लैट 20 अक्तूबर को ही खाली कर दिया था। तभी नौकरी भी छोड़ दी थी। साफ्टवेयर डेवलपर विशाल ने अपने दोस्तों को चौंकाने वाली बात भी बताई थी।वाराणसी के भदैनी के रहने वाले परिवार के पांच सदस्यों की हत्या के मामले में पुलिस के द्वारा आरोपी माने जा रहे बड़े भतीजे विशाल गुप्ता उर्फ विक्की का पता पांचवें दिन शनिवार को भी नहीं लगा। इस बीच अहमदाबाद पहुंची पुलिस टीम को पता लगा कि साफ्टवेयर डेवलपर विशाल ने अपने दोस्तों को बताया था कि उसका ट्रांसफर अन्य जगह हो गया है।

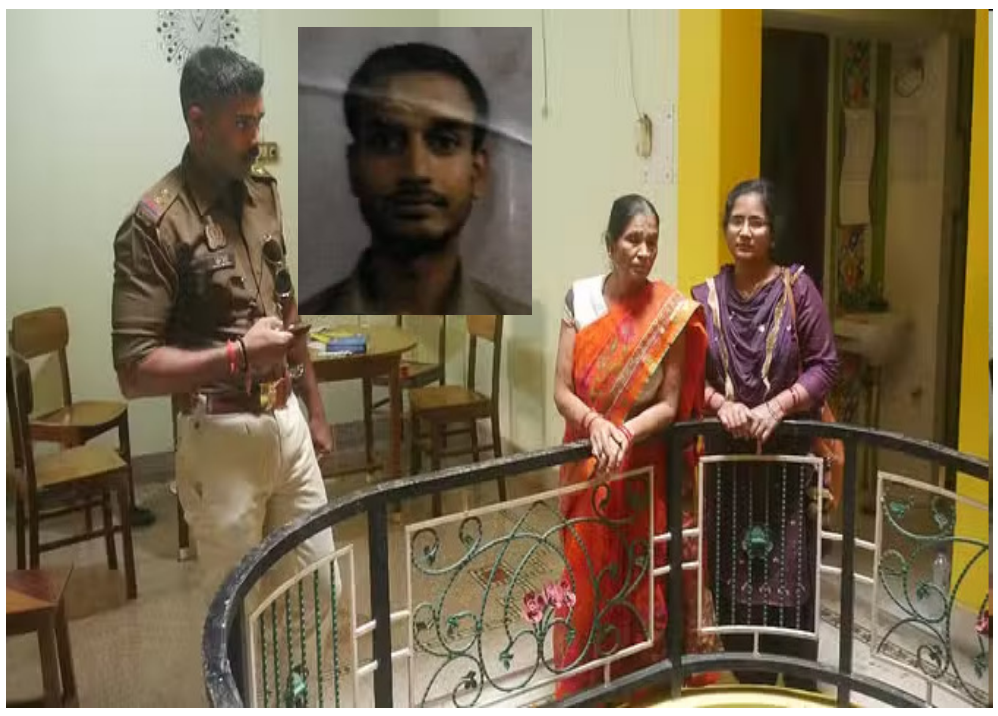

इसके साथ ही उसने अहमदाबाद का अपना फ्लैट 20 अक्तूबर को खाली कर दिया था। भदैनी निवासी राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, उसकी पत्नी नीतू और तीन बच्चों नमनेंद्र, सुबेंद्र व गौरांगी का शव गत पांच नवंबर को उनके घर में मिला था। पांचों की गोली मार कर हत्या की गई थी।राजेंद्र करता था विक्की की पिटाई- राजेंद्र पर उसके छोटे भाई व उसकी पत्नी और पिता व चौकीदार की हत्या का आरोप था। राजेंद्र का उसके छोटे भाई कृष्णा के बड़े बेटे विशाल से अकसर विवाद होता था। विशाल की राजेंद्र पिटाई भी करता रहता था।विशाल वारदात के बाद से ही लापता है। जबकि, गत चार नवंबर तक वह अपने बड़े पापा के घर व उसके आसपास ही देखा गया था। तफ्तीश के क्रम में पुलिस को पता लगा कि विशाल अहमदाबाद में साफ्टवेयर डेवलपर का काम करता था। पुलिस अहमदाबाद गई तो पता लगा कि वह अक्तूबर में ही फ्लैट और कंपनी छोड़ दिया था।पुलिस की बड़ी नाकामी, लेकिन कार्रवाई एक पर नहीं- एक परिवार के पांच लोगों की नृशंस हत्या की गई। वारदात के पांचवें दिन शनिवार को भी पुलिस अंधेरे में ही तीर चलाती दिखी और कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा। इसके बावजूद कमिश्नरेट के अफसरों के स्तर से भेलूपुर थानाध्यक्ष, अस्सी चौकी प्रभारी, रात्रि अधिकारी के पद पर तैनात दरोगा और संबंधित क्षेत्र के फैंटम दस्ते के सिपाहियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। यह बात पुलिस महकमे में ही चर्चा का विषय बनी हुई है।वाराणसी में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की हत्या- वाराणसी में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। भदैनी इलाके में एक बहुमंजिला मकान के अलग-अलग तल से मंगलवार को एक महिला, उसके दो बेटों और एक बेटी का शव मिला था। जबकि घटनास्थल से लगभग 14 किलोमीटर दूर मीरापुर रामपुर स्थित निर्माणाधीन मकान में महिला के पति का अर्धनग्न शव बेड पर मिला। उसे भी गोली मारी गई थी। पांचों की कनपटी और सीने में गोली मारी गई थी। दोनों ही घटनास्थल से मिले खोखा के आधार पर पुलिस दावा कर रही है कि पांचों लोगों की हत्या में .32 बोर की पिस्टल का इस्तेमाल किया गया। पुलिस पुराने विवाद और घटनाओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। परिवार के मुखिया मृत राजेंद्र पर अपने पिता, छोटे भाई और उसकी पत्नी के साथ ही एक चौकीदार की हत्या का आरोप था। फ्लैट में रहता था राजेंद्र गुप्ता का परिवार- जानकारी के अनुसार, भदैनी पावर हाउस के सामने की गली में राजेंद्र गुप्ता (56) का पांच मंजिला (भूतल और चार मंजिला) मकान है। मकान के अगले हिस्से में प्रथम, द्वितीय और तृतीय तल पर राजेंद्र का एक-एक फ्लैट है। जबकि, अन्य फ्लैट और उससे सटे टिनशेड में 40 किरायेदार रहते हैं। राजेंद्र के साथ घर में मां शारदा देवी के अलावा उसकी दूसरी पत्नी नीतू (45), बेटे नमनेंद्र (24) व सुबेंद्र (15) और बेटी गौरांगी (17) रहते थे। सफाई करने वाली आई तो हुआ हत्याकांड का खुलासा- मंगलवार की सुबह 11 बजे घर की सफाई करने के लिए रीता देवी प्रथम तल स्थित फ्लैट पर पहुंची। दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई। इस बीच रीता ने धक्का दिया तो दरवाजा खुल गया। अंदर जाने पर रीता ने देखा कि नीतू फर्श पर खून से लथपथ निढाल पड़ी थी। वह भाग कर दूसरे तल पर स्थित फ्लैट में गई तो वहां एक कमरे में नमनेंद्र फर्श पर खून से लथपथ पड़ा था और गौरांगी एक कोने में मृत पड़ी थी। वहीं, सुबेंद्र का शव बाथरूम में मिला। सूचना पाकर पुलिस पहुंची तो राजेंद्र घर पर नहीं था। राजेंद्र के मोबाइल नंबर को पुलिस ने सर्विलांस की मदद से ट्रैक करना शुरू किया तो उसकी लोकेशन मीरापुर रामपुर गांव में मिली। पुलिस वहां पहुंची तो निर्माणाधीन मकान के एक कमरे में मच्छरदानी लगे बिस्तर पर राजेंद्र निढाल पड़ा था।हत्या, दो शादी और एक महिला से करीबी -पुलिस के अनुसार, राजेंद्र पर उसके पिता व एक चौकीदार के साथ ही छोटे भाई व छोटे भाई की पत्नी की हत्या का आरोप था। ये घटना वर्ष 1997 की है। इसी आरोप में राजेंद्र जेल भी गया था। पुलिस के मुताबिक, राजेंद्र ने दो शादी की थी। हाल के दिनों में एक अन्य महिला से भी उसकी करीबी बढ़ी थी। राजेंद्र की पहली पत्नी अपने बेटे के साथ कई साल से पश्चिम बंगाल के आसनसोल रहती है।

पुलिस छापे से हड़कंप: मुर्गा की लड़ाई... 55 ने हवालात की हवा खाई, पांच जिलों के लोगों पर इसलिए हुई कार्रवाई

संभल पुलिस ने पांच जिलों के 55 लोगों को परतापुर गांव में मुर्गों की लड़ाई कराते हुए हिरासत में लिया है। आरोपियों के पास से 35 मुर्गे और 15 हजार रुपये बरामद हुए हैं। सभी के खिलाफ जुआ

अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। मनोरंजन और जुए के लिए मुर्गों की लड़ाई करा रहे पांच जिलों के 55 लोगों को बहजोई कोतवाली पुलिस ने हिरासत में लिया है। आरोपी गांव परतापुर में साप्ताहिक बाजार में शनिवार शाम मुर्गों की लड़ाई करा रहे थे। पुलिस ने मौके से 35 मुर्गों की बरामदगी की है। इन सभी को लड़ाई के लिए लाया गया था। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि गांव परतापुर में साप्ताहिक बाजार के नजदीक एक स्थान पर मुर्गों की लड़ाई की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मुर्गों को लड़ता हुआ देखा। पुलिस ने बताया कि मौके पर मौजूद 55 लोग हिरासत में लिए गए हैं। सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जा रही है।पुलिस के मुताबिक, आरोपियों में संभल, रामपुर, अमरोहा, मुरादाबाद और बदायूं के लोग शामिल हैं। मुर्गों की लड़ाई कराने की सूचना लंबे समय से मिल रही थी। इसी क्रम में पुलिस ने कार्रवाई की है। आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम में कार्रवाई की जाएगी। 15 हजार रुपये भी पुलिस ने आरोपियों से बरामद किए हैं। पूछताछ में स्वीकार भी किया है कि वह मुर्गों की लड़ाई जुए के लिए कराते हैं। लड़ाई में घाव होने से मर जाते हैं कई मुर्गे - असील नस्ल के मुर्गे लड़ाई के लिए जाने जाते हैं। इसलिए लोगों ने उन्हें लड़ाकर जुआ खेलना शुरू कर दिया है। इन मुर्गों को लड़ाई के लिए तैयार करने से पहले काफी मेवा व अन्य सामग्री खिलाई जाती है। स्टेरॉयड और एड्रेनालाईन बढ़ाने वाली दवाओं का इंजेक्शन लगाया जाता है। आक्रामकता को बढ़ाने के लिए उन्हें बंद भी रखा जाता है। लड़ाई के दौरान जो मुर्गे जख्मी होते हैं वह अक्सर मर भी जाते हैं। आंखें तो ज्यादातर की खराब हो जाती हैं। बहजोई पुलिस ने जिन मुर्गों को बरामद किया है उनमें भी कई की आंखें जख्मी हैं। साप्ताहिक बाजार में होता है मुर्गों की लड़ाई पर जुआ- जिले में ज्यादातर साप्ताहिक बाजार में मुर्गों की लड़ाई पर जुआ खेला जाता है। दूर दराज से लोग अपना अपना मुर्गा लेकर पहुंचते हैं। कई लोग अपने मुर्गों का नाम एक्टर के नाम पर भी रखते हैं। गांव परतापुर और नरौली में शनिवार को साप्ताहिक बाजार लगता है। इन दोनों बाजार में नियमित मुर्गों की लड़ाई कराकर जुआ खेला जाता है। मुर्गों की लड़ाई कराकर जुआ खेलने की सूचना काफी दिन से मिल रही थी। इसी क्रम में पुलिस ने कार्रवाई की है। 55 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। -कृष्ण कुमार बिश्नोई, एसपी

ग्राम रबा(भेंड़) मे श्री महायज्ञ और श्री राम कथा महोत्सव को लेकर तेयारी तेज

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कोंच(जालौन) श्री राम महायज्ञ और श्री राम कथा महोत्सव को लेकर जोर दार तेयारिया जारी है आज ग्राम रबा भेड़ मे इस धार्मिक आयोजन को लेकर कार्यक्रम के संयोजक विधान परिषद के सदस्य श्री मती रमा आर पी निरंजन ने पत्रकारो को जानकारी देकर बताया है की 26 नवम्बर से श्री राम महायज्ञ और श्री राम कथा महोत्सव को लेकर बड़ा आयोजन किया जा रहा है 26 को ही दस बजे सुबह श्री गणेश पूजन के साथ साथ विशाल कलश यात्रा निकलेगी जो पूरे गाँव का भृमण करेगी उसी दिन यज्ञ वेदी का पूजन होगा इस महायज्ञ और श्री राम कथा मे अध्यक्ष श्री खैरापति सरकार रबा होंगे इस आयोजन मे जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी श्री बासू देवानंद सरस्वती जी महाराज ज्योतिष पीठाधीश्वर बद्रीका आश्रम आएँगे कथा व्यास पूज्य श्री मगज्जगतद गुरु रामा नुजजा चार्य डा स्वामी श्री राघवानंद चार्य जी महाराज अयोध्या धाम कथा सुनायेगे और यज्ञाचार्य पं श्री राम कृष्ण मिश्र प्राचार्य श्री राम राजा सरकार ओरक्षा धाम यज्ञ आदि का कार्य करायेंगे और महायज्ञ मे आर पी निरंजन ने बताया है की इस महायज्ञ चार दिसम्बर तक चलेगा और पांच दिसम्बर को पूर्णाहुति होगी इसी दिन विशाल भंडारा दोपहर बारह बजे से होगा और पांच दिसम्बर हो समाज कल्याण विभाग द्वारा इक्कीस शादियाँ भी होगी और दिव्यांग लोगो की मदद हेतु उन्हे ट्राई साइकिल और कुछ यंत्र भी दिये जायेगे और रास लीला के साथ साथ विराट कवि सम्मेलन भी आयोजित किया जायेगा इस आयोजन मे तमाम देश के जाने माने संत भी आएँगे इस बड़े धार्मिक आयोजन को लेकर गाँव रबा भेड़ के लोगो मे काफी उत्साह देखा गया है इस महायज्ञ को लेकर अभी से जोर दार तेयारिया की जाने लगी है महायज्ञ को लेकर कथा स्थल पार्किंग प्रबचन स्थल राम लीला मंच यज्ञ वेदी स्थल आदि जगहो को चयन कर उसको सवारा सजाया जा रहा है साथ ही इस गाँव मे जहाँ आने जाने और पानी आदि की किसी तरह की कोई समस्या न रहे इसके पहले ही ठीक किया जा रहा है इस अवसर पर मुलायम सिंह कुशवाहा प्रधान रबा सत्येंद्र सिंह गुर्जर दिक्कु रबा नगर पालिका परिषद कोंच के सभासद सादाब अंसारी महेश मेडिकल भेड अजय पटेल राजेश बापू मनोज झा हमीर सिंह विवेक गुर्जर लालसिंह ज्ञान सिंह बाबू जी राजते पटेल राम कुमार झा राम खिलावन राजू पाल दिलीप प्रतापति सुरेंश पटेल संजीव राठौर मनीष कुशवाहा राम राजा पटेल इंद्रपाल सिंह संदीप कुशवाहा दुश्यंत राजा दीपु प्रजापति रामु निरंजन राजकुमार पटेल सर्जन पटेल मिस्टर निरंजन धनौरा हरि सिंह जय रामजी राजेंद्र नरायन सिंह आचार्य राय पण्डा तेज प्रताप सहित तमाम गाँव वासी मौजूद रहे.

कार्तिक पूर्णिमा के मुख्य स्नान पर गढ़ व राजघाट स्टेशनों पर रुकेंगी ट्रेनें, 13 से 16 तक ठहराव

कार्तिक पूर्णिमा के मुख्य स्नान को देखते हुए रेलवे ने प्रमुख गंगा घाटों पर विशेष ट्रेन ठहराव की व्यवस्था की है। 13 से 16 नवंबर के बीच गढ़मुक्तेश्वर, कांकाठेर, रामगंगा, राजघाट, बालावाली और अन्य स्टेशनों पर मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को दो मिनट के लिए रोका जाएगा। कई पैसेंजर ट्रेनों में अतिरिक्त कोच भी जोड़े गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित की जा सके।15 नवंबर को कार्तिक मास की पूर्णिमा का मुख्य स्नान है। इसे लेकर रेलवे ने मुख्य गंगा घाटों पर ट्रेनों के ठहराव की तैयारी कर ली है। वहीं 10 से ज्यादा मेल एक्सप्रेस ट्रेनों को कांकाठेर, गढ़मुक्तेश्वर, राजघाट, रामगंगा, हरिद्वार, ऋषिकेश व बालावाली स्टेशनों पर रोका जाएगा। साथ ही पैसेंजर ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाए गए हैं। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि 13 से 16 नवंबर तक गढ़मुक्तेश्वर रेलवे स्टेशन पर (22453-54) राज्यरानी एक्सप्रेस, (14321-11) आला हजरत, (15909-10) अवध असम, (14207-08) पद्मावत, (14205- 06) अयोध्या कैंट-दिल्ली एक्सप्रेस, (13257-58) जनसाधारण एक्सप्रेस को अप व डाउन दोनों दिशाओं में दो मिनट के लिए रोका जाएगा।कांकाठेर स्टेशन पर इन ट्रेनों के अलावा (14315-16) इंटरसिटी एक्सप्रेस, (15036-37) उत्तरांचल संपर्क क्रांति, (14241-42) नौचंदी एक्सप्रेस, (04303-04) दिल्ली बरेली पैसेंजर को दो मिनट के लिए रोका जाएगा। रामगंगा ब्रिज रेलवे स्टेशन पर 15 नवंबर को (14319) इंदौर-बरेली एक्सप्रेस दोपहर 2:30 बजे, 16 नवंबर को (14314) बरेली-मुंबई एक्सप्रेस सुबह 11:35 बजे दो मिनट के लिए रुकेगी। राजघाट नरोरा रेलवे स्टेशन पर (14319) इंदौर-बरेली एक्सप्रेस 15 नवंबर को सुबह 11:30 बजे, 16 नवंबर को (14314) बरेली-मुंबई एक्सप्रेस दोपहर 2:22 बजे रुकेगी। 15 व 16 नवंबर को बालावाली रेलवे स्टेशन पर (13151-52) सियालदह एक्सप्रेस, (15011-12) लखनऊ-चंडीगढ़ एक्सप्रेस, (14113-14) लिंक एक्सप्रेस दो मिनट के लिए रुकेगी। इन ट्रेनों में लगेंगे अतिरिक्त कोच ट्रेन नंबर ट्रेन का नाम कितने कोच 04376 बरेली-अलीगढ़ पैसेंजर दो कोच 04375 अलीगढ़-बरेली पैसेंजर दो कोच 04378 बरेली-अलीगढ़ पैसेंजर दो कोच 04377 अलीगढ़-बरेली पैसेंजर दो कोच 04334 नजीबाबाद-गजरौला पैसेंजर एक कोच 04333 गजरौला-नजीबाबाद पैसेंजर एक कोच 04394 गजरौला-अलीगढ़ पैसेंजर एक कोच 04393 अलीगढ़-गजरौला पैसेंजर एक कोच 04358 नजीबाबाद-मुरादाबाद पैसेंजर एक कोच 04357 मुरादाबाद-नजीबाबाद पैसेंजर एक कोच कांकाठेर तक चलेगी अलीगढ़-गजरौला पैसेंजर-

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9०7776991

संक्षिप्त समाचार

जालौन को सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में मिला दूसरा स्थान, समय बद्ध पारदर्शी एवं ईमानदारी सें बेहतर क्रियान्वयन का परिणाम

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

उरई - उत्तर प्रदेश के जनपद जालौन को मुख्यमंत्री डैशबोर्ड मासिक रैंकिंग में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है, वही बुंदेलखंड में लगातार कई महीनों से शीर्ष स्थान पर काबिज है। यह उपलब्धि जनपद में विकास और राजस्व योजनाओं के त्वरित पारदर्शी एवं प्रभावी रूप से क्रियान्वयन का परिणाम है, जो प्रशासनिक विभागों द्वारा ईमानदारी से सामूहिक प्रयासों के कारण संभव हो सकी। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड रैंकिंग प्रदेश के जनपदों में विकास कार्यों, केंद्रीय एवं राज्य की योजनाओं के क्रियान्वयन, और राजस्व से संबंधित कार्यों राजस्व वसूली की गति को ट्रैक करने के लिए एक महत्वपूर्ण मापदंड बन चुका है। जालौन जनपद ने माह अक्टूबर में प्रदेश रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल कर लगातार जनपद की प्रशासनिक टीम के मेहनत एवं विकास कार्यों को धरातल पर साबित किया है ।जिलाधिकारी ने सभी विभागों को इस सफलता के बाद और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए बधाई देकर प्रेरित किया है। विभागीय अधिकारियों और कार्मिकों की मेहनत के साथ-साथ विकास कार्यों में नागरिकों एवं मा0 जनप्रतिनिधियों का सहयोग भी इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जालौन में राजस्व और विकास कार्यों के सही क्रियान्वयन और योजनाओं के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता ने जनपद को लगातार कभी प्रथम तो कभी दूसरे तीसरे स्थान पर बरकरार रखा है। यह सफलता जनपद में विकास कार्यों के प्रति मंडलायुक्त महोदय की समीक्षा मार्ग निर्देशन एवं ज़िला प्रशासन की जन समस्याओं को पूर्ण संवेदनशीलता ,पूर्ण जिम्मेदारी, ईमानदारी और पूर्ण पारदर्शिता से कार्यों को दर्शाती है।

विधान सभा के उपचुनाव मे समाज वादी पार्टी जीतेगी -राजेंद्र सिंह निरंजन

क्यूँ न लिखूँ सच -राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) समाजवादी पार्टी के जिला सचिव राजेंद्र सिंह निरंजन राजू चमरसेना ने अपने व्यान मे बताया है की उत्तर प्रदेश की रिक्त हुई विधान सभा सीटो पर हो रहे चुनाव मे समाजवादी पार्टी जीत का परचम फहरायेगी श्री निरंजन ने कहा की यूपी मे भाजपा की सरकार मे किसानो नोजवान युवा सब परेशान है किसानो को खाद नही मिल रही है खाद लेने के लिये पुलिस की लाठिया खानी पड़ रही सरकार द्वारा दिया जा रहा किसानो को निशुल्क बीज दिया नही जा रहा है बीज गोदाम पर विभागीय कर्मचारियों द्वारा अपने अपने चहेते लोगो को किट दी जाती है और बाकी किसानो को कुछ मिल पा रहा है उन्होंने बताया है की किसानो को पानी और बिजली समय से नही मिल रही है इस बीजेपी की सरकार मे नो जवान रोजगार के लिये भटक रहे है कानून व्यवस्था का आलम यह है की अपराधी गुंडे मजा उडा रहे है और पीड़ित व्यक्ति की कोई सुनवाई नही हो रही है प्रदेश मे कुछेक जातियों से जुड़े व्यक्तियों और लोगो को निशाना बनाकर फर्जी कैस लगाए जा रहे है सरकारी अस्पतालो मे कोई खास व्यवस्था नही है न दवाएं है और न सुविधाएं है लोग बीमार होकर परेशान है उन्होंने बताया है की यह चुनाव मे जनता के आशीर्वाद से सभी सीटें जीतेगी

हिमांशी हत्याकांड की इनसाइड स्टोरी: कर रही थी तलाकशुदा से शादी की जिद, मामा ने बेटे संग मोह-माया के लिए मारा

पुलिस ने हत्या के मामले में आरोपी पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि मामा का परिवार हिमांशी की तलाकशुदा विनीत के साथ शादी करने के खिलाफ था। यूपी के मुजफ्फनगर स्थित गांव रसूलपुर कैलोरा में हिमांशी की हत्या के आरोपी मामा भारतवीर और ममेरे भाई मुकुल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि मामा का परिवार शादी के खिलाफ था। विनीत की यह दूसरी शादी थी, पहली पत्नी से उसका तलाक हो गया था। वसुंधरा के लिए जाने से पहले हिमांशी ने गहने और रुपये मांगे।

झगड़ा बढ़ने पर आरोपियों दी।पुलिस ने हत्या के गिरफ्तार कर लिया है। एसपी सिटी सत्यनारायण परिवार हिमांशी की करने के खिलाफ था। की सहमति बन गई, और ममेरे भाई रोकने का रात मुकुल ने हिमांशी को और डराया था।शुक्रवार निकलने लगी तो उसे फिर गहने और रुपये मांगे, जिस पुलिस जांच में सामने मार दी। पहली गोली कमर एसपी सिटी ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ की में दबिश दी जा रही है।यह एसपी सिटी सत्य नारायण विनीत ने मुकदमा दर्ज भारतवीर और उसके बेटे हत्या की है। हिमांशी अपने थी।मामा के पास भी रखे थे रुपये- एसपी सिटी ने बताया कि आरोपी भारतवीर व मुकुल ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि जमीन बेचने के बाद नंबर एक का रुपये हिमांशी और उसकी मां कविता के खातों में पहुंच गए थे। इसके बाद भी काफी रुपये मामा के परिजनों के पास भी रखे थे।यह था मामला- मेरठ के बहसूमा थाने के गांव मोहम्मदपुर शकिस्त निवासी हिमांशी के पिता अनिल चौधरी की मौत हो गई थी। 18 महीने पहले ताऊ के परिवार से झगड़े के बाद वह मां कविता के साथ खतौली के गांव रसूलपुर कैलोरा में अपने मामा भारतवीर के घर आकर रहने लगी। ताऊ के परिवार से मुकदमेंबाजी चल रही है। इसके बाद करीब 22 बीघा जमीन बेचकर खतौली में रहने के लिए मकान बनाया। शुक्रवार सुबह उसकी गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। मेरठ के बहसूमा थाने के गांव सदरपुर निवासी विनीत ने हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था।तलाक के बाद दोबारा शुरू हुई प्रेम कहानी- विनीत और हिमांशी की मुलाकात मवाना के एक कॉलेज में आठ साल पहले हुई थी। दोनों के बीच बातचीत चलती रही। साल 2022 में विनीत की दूसरी लड़की से शादी हुई, लेकिन छह माह बाद ही तलाक हो गया। इसके बाद दोबारा उसकी हिमांशी से बातचीत शुरू हो गई। विनीत ने हिमांशी से कोर्ट मैरिज कर थी। घर पर जानकारी मिलते ही हंगामा शुरू हो गया था। हिमांशी के खाते में 25 और मां के खाते में 45 लाख- एसपी सिटी ने बताया कि घटना से पहली रात में मुकुल ने कमरे में बंद कर हिमांशी को समझाते हुए काफी डराया व धमकाया था। लेकिन हिमांशी शादी की जिद करती रही। इस बारे में पुलिस से भी शिकायत नहीं की थी। हिमांशी के खाते में 25 और उसकी मां के खाते में 45 लाख रुपये हैं।वारदात के वक्त सो रही थी मां, बेटी के अंतिम संस्कार में नहीं गई- शुक्रवार सुबह जिस समय वारदात हुई कविता घर के दूसरे कमरे में सो रही थी। हत्या के बाद गांव पहुंची पुलिस हिमांशी की मां कविता समेत तीन महिलाओं को पूछताछ करने के लिए थाने लाई। मुकदमा दर्ज होने के बाद तीनों महिलाएं थाने से गांव रसूलपुर कैलोरा वापस भेज दी गई। हिमांशी का अंतिम संस्कार शनिवार सुबह शहर के भोपा रोड स्थित श्मशानघाट में ताऊ मनोज के परिवार ने किया। हिमांशी की मां अंतिम संस्कार में नहीं पहुंची, वह अभी भी मायके में रह रही है।रीढ़ की हड्डी में फंसी मिली गोली, रात में कराना पड़ा एक्सरे- पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद हिमांशी के शव को मेरठ के बहसूमा थाने के गांव मोहम्मदपुर शकिस्त निवासी उसके ताऊ मनोज कुमार को सौंप दिया। ताऊ मनोज ने बताया कि रात में शव का पोस्टमार्टम हुआ था। पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सकों को पेट में लगी एक गोली मिल गई थी। दूसरी गोली नहीं मिली थी। जिस पर शव को जिला अस्पताल ले जाकर रात में ही शव का एक्सरे कराया गया। तब दूसरी गोली रीढ़ की हड्डी में फंसी मिली थी।विनीत बोला, आरोपियों की सहमति पर हो रही थी शादी- हत्या का मुकदमा दर्ज कराने वाले विनीत ने खतौली थाने पहुंच कर पुलिस से कार्रवाई के बारे में जानकारी ली। उसका कहना था कि पुलिस ने उसे आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। विनीत का कहना है कि आरोपियों की सहमति पर ही शादी हो रही थी। आरोपी उसके घर भी गए थे। उधर, रसूरपुर कैलौरा में पुलिस ने गश्त की। आरोपियों के घर के आसपास सन्नाटा पसरा रहा।

प्रादेशिक मुक्केबाजी में खेलेंगी वाराणसी की आठ मुक्केबाज, 466 जगहों पर हुआ काशी सांसद खेल

वाराणसी में विभिन्न जगहों पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इसमें जीते हुए प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। वहीं, दर्शकों ने भी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।इलीट महिला मुक्केबाजी प्रतियोगिता बुलंदशहर में खेली जाएगी। प्रादेशिक मुक्केबाजी में वाराणसी मंडल के खिलाड़ियों का चयन प्रशिक्षण लालपुर स्टेडियम में हुआ। कोच दीपिका तिवारी ने बताया कि प्रशिक्षण में 30 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। आठ खिलाड़ी पूजा पाल, तानू गुप्ता, अंशिका यादव, अक्षिता वर्मा, सरिता पाल, विशाखा यादव, गुड़िया यादव, इशिता विक्रम सिंह का चयन हुआ है। इस मौके पर जनार्दन यादव, कृपाशंकर तिवारी मौजूद रहे। शतरंज में चार खिलाड़ियों ने जीता पदकप्रदेशीय विद्यालयीय शतरंज प्रतियोगिता में बीस साल बाद मंडल की एक ही विद्यालय की तीन छात्राओं ने पदक जीता है। खेल प्रशिक्षक कांता रानी ने बताया कि बालिका वर्ग अंडर-17 में मंडल को ओवरऑल तीसरा स्थान मिला। प्रधानाचार्या रेनू सिंह ने बताया कि विपिन बिहारी चक्रवर्ती कन्या इंटर कॉलेज रामपुरा की अनन्या जायसवाल, कंगना यादव, शगुन यादव, बढ़नी की अर्चना पटेल ने पदक जीता है। दो खिलाड़ियों ने स्वर्ण और दो ने रजत पदक जीता है।निवेदिता बनेगा उत्कृष्ट कुश्ती का प्रशिक्षण केंद्र-राणसी के महमूरगंज के निवेदिता शिक्षा सदन बालिका इंटर कॉलेज में भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। कहा कि निवेदिता को पूर्वांचल का उत्कृष्ट प्रशिक्षण केंद्र बनाया जाएगा। यहां ऊर्जावान खिलाड़ियों माला यादव, पलक यादव, रागिनी को 1100 रुपये और धन्यवाद अजय ने किया। 13 महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में और बास्केटबॉल (पुरुष) टीम का मुकेश कुमार पंथ ने बताया कि होगा। खेलों में विश्वविद्यालय खिलाड़ियों का चयन किया अंतरमहाविद्यालयीय प्रतियोगिता अंक व प्रमाण पत्र, फीस रसीद, फोटो के साथ प्रतिभाग कर सकते काशी सांसद खेलकूद प्रतियोगिता 1,00,775 खिलाड़ियों ने दमखम आराजीलाइंस और काशी भेलूपुर, दशाश्वमेध, कोतवाली और जगहों पर 100 मीटर, 200 मीटर,

रस्सी कूद में 14,293, रस्साकशी में 6365, चिनअप में 6579, खो-खो में 27937, कबड्डी में 29975, पुशअप में 5279 ने प्रतिभाग किया। 15782 प्रतिभागी विजेता घोषित किए गए। खेलों को देखने के लिए 1,08,417 दर्शक रहे। कछवा रोड सेवापुरी ब्लॉक के ठटरा गांव के डॉ. भीमराव अंबेडकर क्रीड़ा स्थल पर दो दिवसीय ग्राम पंचायत स्तरीय काशी सांसद खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हुआ। रोहनिया के प्राथमिक विद्यालय दरेखू, प्राथमिक विद्यालय शहावाबाद, जगतपुर, हरदतपुर के छात्र छात्राओं ने खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लिया। अवंतिका को बेस्ट कराटे खिलाड़ी का अवॉर्ड- लखनऊ में खेली गई इंटरनेशनल स्पोर्ट्स ओलंपियाड कराटे टूर्नामेंट में अवंतिका सिंह को बेस्ट कराटे खिलाड़ी का अवॉर्ड दिया गया है। वाराणसी कराटे संघ के महासचिव दिलीप कुमार सैनी ने अवंतिंका ने स्वर्ण जबकि आशुतोष सिंह ने रजत और कृतज्ञ शर्मा ने कांस्य पदक जीता है। खेलो इंडिया फुटबॉल में 45 खिलाड़ी चयनित- यूपी शॉकर एसोसिएशन (यूपीएसए) की ओर से आयर के सिएट कॉलेज गहनी खेल मैदान पर खेलो इंडिया फुटबॉल के तहत 45 खिलाड़ियों का चयन हुआ। इसमें 123 खिलाड़ियों ने प्रतिभा दिखाई। डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि शिविर के लिए चयनित खिलाड़ियों को फुटबॉल की बारीकियां सिखाई जाएंगी। रोज दो सत्र होंगे। सिएट कॉलेज के प्रबंधक नवीन सिंह ने कहा हमारा मिशन भारत में फुटबॉल प्रतिभाओं को खोजने का है। चार मंडलों के खिलाड़ियों की मेजबानी करेगा कौशांबी- जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय की प्रतियोगिताओं का आयोजन सोमवार से कौशाम्बी के जिला स्टेडियम में होगा। कौशाम्बी को पहली बार मेजबानी का अवसर मिला है। प्रतियोगिता में प्रयागराज मंडल के अलावा, वाराणसी, विंध्याचल व चित्रकूट धाम मंडल के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। बालक व बालिका वर्ग के करीब 240 खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में शामिल होंगे। 1500 मीटर की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दौड़ेंगे विकास- लालपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर में खेली गई प्रादेशिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 1500 मीटर में गोल्ड और 3000 में सिल्वर जीतने वाले विकास कुमार को शुक्रवार को सम्मानित किया गया। जगतपुर इंटर कॉलेज के 11वीं के छात्र विकास अब 500 मीटर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दौड़ेंगे। प्रधानाचार्य विपिन चंद्र राय ने खुशी जाहिर की है। विकास कुमार एनसीसी कैडेट भी हैं। परमानंदपुर के छह खिलाड़ियों ने जीते स्वर्ण- 68वीं प्रादेशिक विद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में विकास इंटर कॉलेज के छात्रों ने छह स्वर्ण पदक जीते। प्रधानाचार्य डॉ. एके सिंह ने बताया कि अंशु रजक ने अंडर-19 आयु वर्ग के 100 और 200 मीटर, शेख जीशान, लंबी व ऊंची कूद में जमील अली ने, अंडर-17 आयु वर्ग के सौ और चार सौ मीटर दौड दौड़ में अभय कुमार दुबे ने स्वर्ण जीता। कबड्डी = उपविजेता बनी विद्यापीठ की टीम- पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीय कबड्डी प्रतियोगिता शनिवार को हुई। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की टीम ट्रॉफी जीतने से चूक गई। उपविजेता की ट्रॉफी से उसे संतोष करना पड़ा। जौनपुर के वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीय कबड्डी प्रतियोगिता 6 से 9 नवंबर तक खेली गई। अमित कुमार गौतम, मैनेजर डॉ. अमरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने खुशी का इजहार किया है। बच्छांव को हराकर कंदवा बना कबड्डी चैंपियन- पिंडरा क्षेत्र के खरगपुर गांव में अंतर जनपदीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में बच्छांव को हराकर कंदवा की टीम चैंपियन बनी। शुभारंभ मछलीशहर की सांसद प्रिया सरोज ने किया। प्रतियोगिता में जिले की आठ टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबला रात आठ बजे खेला गया। संचालन आफताब आलम, धन्यवाद शाहिद अली ने किया। रेफरी की भूमिका सुधीर सिंह ने निभाई।

संक्षिप्त समाचार

रविवार साप्ताहिक बंदी के दौरान खुल रहा शामली का संपूर्ण रूप से बाजार

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली शामली साप्ताहिक बंदी होने के बावजूद भी शामली का रविवार को पूर्ण रूप से खुल रहा है बाजार सरकार द्वारा शामली को रविवार की छुट्टी की घोषणा के बावजूद भी दुकानदार रविवार के दिन भी अपनी प्रतिष्ठान पूर्ण रूप से खोलते हैं शामली के शिव चौक बड़ा बाजार कबाडी बाजार अजंता चौक विजय चौक यह सभी बाजार पूर्ण रूप से खुले होते हैं जिसमें मार्केट इंस्पेक्टर एवं प्रशासन इस और ध्यान नहीं दे रहा है कि दुकान पर काम करने वाले श्रमिकों को साप्ताहिक में एक भी छुट्टी नहीं मिल रही है दुकान खोलने की वजह से दुकान पर कर काम करने वाले कर्मचारियों को रविवार के दिन भी दुकान पर आना पड़ रहा है ताकि दुकान पर काम करने वाले कर्मचारी साप्ताहिक बंदी में अपने परिवार के साथ नहीं रह सकते

जिलाधिकारी अरविंद कुमार महालेण्डी जहांगीरपुर रब जय पटरी मार्ग पर न निर्माण कार्य का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली महालेण्डी जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान द्वारा आज अपने निरीक्षण के दौरान वित्तीय वर्ष 2023-24 में जनपद शामली में शामली महालेण्डी दुल्लखेड़ी मार्ग के किमी0 19 से जहांगीरपुर रजवाहा पटरी मार्ग पर नवनिर्माण के कार्य का निरीक्षण किया गया जिसकी लंबाई 02 कि0मि0, ओर चौड़ाई 5.5 मी0 है। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी को सीटीएसबी का कार्य प्रगति पर पाया गया। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी द्वारा मौके पर नवनिर्माण कार्य, विद्युत पोल शिफ्टिंग,साइट पर मटेरियल की गुणवत्ता को भी चेक किया। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ कार्य को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी को मार्ग में विद्युत पोल शिफ्टिंग का कार्य पूर्ण मिला। संबंधित अधिकारी के अनुसार नव निर्माण कार्य की लागत लगभग 02 करोड़ है। निरीक्षण के समय एसडीएम ऊन अर्चना शर्मा, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी राजकुमार, सहायक अभियंता पाखी, वर्मा, दीपेंद्र जायसवाल,अवर अभियंता सुरेंद्र शर्मा, कन्हैया कुमार आदि मौजूद रहें।

बहराइच में नागपुर एटीएस ने दो संदिग्धों को उठाया, नेपाल की तरफ से आई बस में थे सवार

बहराइच में नागपुर एटीएस ने दो संदिग्धों को उठाकर साथ ले गई है। टीम ने दोनों को नेपाल की तरफ से आई बस से उतारा।

इसके बाद साथ ले गई। यूपी के बहराइच में रविवार को पुलिस टीम और बाहरी प्रदेश की एक टीम ने कार्रवाई की। इस दौरान नेपाल की ओर से आ रही एक बस को टीम ने रोका। इसके बाद बस से दो लोगों को उतारा। पास के एक होटल में कुछ देर तक उनसे पूछताछ करती रही। इसके बाद उन्हें लेकर गाड़ियां तेज गति से निकल गईं। बाहर से आई टीम नागपुर एटीएस बताई जा रही है। फिलहाल इस पर कोई अधिकारी कुछ बताने को तैयार नहीं है।

Instead of throwing away lemon peels, make pickle of them, the taste of food will increase manifold

Usually we use lemon and throw away its peel, but do you know that lemon peels can prove to be very useful. You can make pickle from lemon peel, which tastes very wonderful and also benefits health. Let's know the recipe for making lemon peel pickle (Lemon Peel Pickle Recipe). Tasty pickle can be made from lemon peel. Eating this pickle also benefits health. You can easily make this pickle at home.Lemon peels, which we often throw away, are actually an excellent ingredient for making delicious and nutritious pickles. Lemon peels are rich in vitamin-C, antioxidants and essential oils, which are beneficial for our health in many ways. Let's know how (How To Make Lemon Peel Pickle) can make delicious pickles from lemon peels. Benefits of Lemon Peel Pickle (Lemon Peel Pickle Benefits) Improves digestion- The fiber found in lemon peels helps in improving digestion. It is effective in removing the problem of constipation and indigestion. Immunity boost- Lemon peels rich in vitamin-C strengthen our immune system. Help in weight loss- Pectin fiber found in lemon peels is helpful in weight loss. It keeps the stomach full for a long time, due to which there is no desire to eat again and again. Beneficial for skin- The antioxidants present in lemon peels protect the skin from free radicals and keep the skin healthy. Beneficial for teeth- Lemon peels help prevent tooth decay and remove bad breath. Recipe for making lemon peel pickle- It is very easy to make lemon peel pickle. You can easily make it at home. Ingredients: Lemon peels (of about 10 lemons) Mustard oil Asafoetida Mustard Red chilli powder Turmeric powder Salt Method: Wash the lemons and remove their peels. Cut the peels into thin pieces. Heat oil in a pan. Add asafoetida, mustard and red chilli in it. Add chopped lemon peels and fry. Add turmeric powder and salt and mix well. Add some water and cook. When the water dries up, turn off the gas. Fill the pickle in a clean and dry jar. Close the jar properly and keep it in a cool place. You can eat lemon peel pickle with dal, rice or paratha. It will enhance the taste of your food and will also be beneficial for your health. Also take help of these tips - Drying lemon peels in the sun improves the taste of pickle. You can also add your favorite spices to the pickle. To preserve the pickle for a long time, you can add a little mustard oil to it.

Include raw turmeric in these ways in Winter Diet, you will also get plenty of health benefits

Raw turmeric contains a good amount of curcumin, vitamin C, iron and antioxidants, which reduce inflammation, increase immune power and improve digestion. Turmeric milk can be consumed in the form of herbal tea, soup, salad and vegetables in winter. Its consumption can keep the body warm and prevent seasonal diseases. Curcumin present in raw turmeric helps in reducing inflammation. It strengthens the immunity of our body. Raw turmeric is also helpful in improving digestion. Raw turmeric is a type of root that looks similar to ginger, from which we use turmeric powder in daily life. It contains curcumin, iron, vitamin C and antioxidants in abundance, which are helpful in reducing inflammation in any part of the body, increasing immune power, improving digestion and keeping the skin glowing. The anti-inflammatory and anti-bacterial properties present in turmeric protect us from cold and cough and keep the body warm from inside in a natural way. Therefore, its consumption in winter is beneficial for health in many ways. So let us know in what forms it can be consumed in this season. Turmeric milk- Drinking freshly grated turmeric cooked in a glass of milk gives warmth to the body. Take it before sleeping at night, it helps in getting good sleep and also strengthens the immune system. Turmeric herbal tea Boil ginger, raw turmeric, black pepper and basil in water. This tea increases immune power and gives relief from cold and cough. Raw turmeric pickle- Mix raw turmeric, lemon and green chillies with some mild spices and make pickle. It can be eaten with lunch or dinner and also provides anti-oxidants along with vitamin C. Turmeric in vegetables- Add turmeric to the vegetables or pulses you eat daily. It not only enhances the taste but also helps in strengthening bones and reducing inflammation. Turmeric Juice- Make a nutritious juice by mixing raw turmeric, amla, and honey. It is a good source of vitamin C and antioxidants that promote overall health including the digestive system. Turmeric- Add raw turmeric to vegetable soup or dal. It not only makes the soup nutritious but also helps in keeping the body warm from inside. Turmeric in Smoothie- Make a smoothie by mixing raw turmeric with your favorite fruits or green vegetables. It improves digestion and helps in increasing metabolism in winters. Turmeric in Laddoos or Energy Balls- Make laddoos or energy balls by mixing turmeric with sattu, sesame seeds, and dry fruits. It is a good source of energy and provides warmth in winters. Turmeric in Salad- Cut fresh raw turmeric into small pieces and add it to the salad. It protects the stomach from cold and improves digestion in winters.

"My wife does not hide anything from me…" If you think so, then you are wrong! Every woman hides these 5 things from her husband

You may be surprised to know, but after marriage, women hide some things from their husbands or hesitate to tell them. There can be many reasons behind hiding these things (things women hide from husband), which we are going to tell here in this article. Let us know what things wives hide from their husbands and what is the reason behind them. After marriage, women do not tell everything to their husbands. There can be many reasons behind hiding these things. Many times women hide things from their husbands to maintain peace in marriage. Marriage is such a bond in which it is important for the husband and wife to trust each other and have transparency. However, many times women hide some things from their husbands after marriage (Things Woman Hide From Husband). Yes, even if she was her husband's girlfriend earlier, but after marriage there is a slight change in the relationship and there is a high possibility that she starts hiding some things from her husband (wife's secrets from husband). This behavior may often seem surprising, but there can be many reasons behind it. Let's know 5 things that women do not like to tell their husbands. Some feelings - Fear - Many times wives are afraid to express their feelings, because they feel that this may anger their husbands or they will consider them weak. Past - Due to their past experiences, some wives hesitate to open up completely with their husbands. Sense of security - They may feel that keeping some things hidden will make them feel safe in the relationship. Some things related to expenses - Shopping - Many women hide their purchases from their husbands, especially when they have spent more than the budget. Gifts - Sometimes, wives can also hide about the gifts given to their friends or family members. Savings- Hiding your personal savings from your husband is also a common thing. Health- Physical changes- Many women hesitate to talk to their husbands about physical changes such as weight gain or hair loss. Mental health- Acknowledging and talking about mental health issues such as depression or anxiety can be difficult for many women. Minor problems- Sometimes, wives may hide even minor problems from their husbands because they feel that it will put too much pressure on their husbands or they will get upset. Friends and family- Spending time with friends- Hiding from the husband about the time spent with friends is also a common thing. Family issues- Many women hesitate to talk to their husbands about family issues, such as a fight with a family member. Minor mistakes of children- Many times wives do not tell their husbands about minor mistakes of children. They feel that he will get angry and the child may get scolded. That's why she hides those things from her husband.

Game Changer is full of action, it will be difficult to guess about Ram Charan's character

The teaser of Ram Charan's upcoming film Game Changer, which the audience has been waiting for a long time, has been released. The song of the film has already created a stir. Now its explosive trailer has also come out. Ram Charan is playing the role of an IAS officer in

Game Changer. In the film, he will be seen playing the role of both father and son. Ram Charan seen in action, Kiara will be seen as the lead actress - Game Changer will be released next year. Amidst great excitement, the teaser of Ram Charan and Kiara Advani starrer film Game Changer has been launched. This film is directed by Shankar and the teaser launch event was specially held in Lucknow. In the Game Changer teaser, Ram Charan is shown as a hero who kills goons and blows people in the air with just one punch. Amidst this high-octane drama, a small glimpse of his romantic love story with Kiara Advani has been shown. Teaser launched in Lucknow- Although the teaser of Game Changer was launched in Lucknow and Ram Charan reached there specially for this. But in 11 cities, fans could watch it in the theaters of Sudarshan (Hyderabad), Sangam Sharath (Vizag), Shiva Jyoti (Rajahmundry), Shailaja (Vijayawada), V Mega (Kurnool), S2 (Nellore), Urvashi Theater (Bangalore), Triveni (Anantapur), PGR (Tirupati), and SVC Sri Tirumala (Khammam). In Game Changer, Ram Charan will play the role of an IAS officer who is known for conducting elections smoothly and protecting democracy from corrupt political leaders. The story of the film is written by Karthik Subbaraj. S U Venkatesan and Vivek have written its story. Dil Raju and Sirish are its producers. The music of the film is given by Thaman S. Apart from Kiara and Ram Charan, Anjali, Samuthirakani, SJ Surya, Srikanth, Prakash Raj and Sunil will also be seen in the film. Game Changer will be released in all South Indian languages ??and Hindi. This pair will be seen together again - Ram Charan and Kiara Advani have come together again through Game Changer. Earlier, they have worked together in the film Vinaya Vidya Rama which was directed by Boyapati Srinu. This film was released in the year 2019. Although this film was a flop, but people liked the praise of their chemistry. Fans were waiting to see them together on screen again. The film will be released in theaters on January 10, 2025.

'South directors don't know marketing...' Samantha Prabhu told the reason for the success of Rajamouli's RRR

Actress Samantha Ruth Prabhu is known for her strong image and acting. Often she was seen expressing her opinion on many social issues without any hesitation. These days Samantha is busy promoting her series Citadel Honey Bunny. Now in an interview, she also talked about the gap between South and North films. The series released on Amazon Prime is full of action - Varun Dhawan is in the role of a stuntman South actress Samantha Ruth Prabhu is in the news these days for her series 'Citadel: Honey Bunny'. Varun Dhawan was seen with her in this series. It was released on Amazon Prime on 6 November and fans are liking it very much. Samantha gave credit to Rajamouli - Now recently the actress talked about the recognition South films are getting in an interview. She also thanked SS Rajamouli for getting this recognition. Samantha was asked why South Indian films did not get the recognition they are getting now. On this, the actress said that South Indian film makers are creative but they do not have the marketing skills to promote it at the pan India level. She gave credit to RRR director SS Rajamouli who gave a pan India vision to South Indian films. Samantha said, "With the success of Bahubali, he was probably the first person to overcome the challenges of regional cinema. The actress said, Rajamouli sir would probably be the first person to think about it. I am happy that he thought about it, which has opened the doors for more people." Citadel: Honey Bunny is the Hindi version of the American TV series Citadel. Priyanka Chopra played the lead role in it. Raj and DK have directed it. In this film, Samantha has done her action scenes with Varun herself. He is getting a lot of praise for this film. Many great actors appeared in the film - Citadel: Honey Bunny was released in Hindi, Telugu as well as English and Tamil languages. Apart from Varun and Samantha, KK Menon, Saqib Saleem, Sikandar Kher, Soham Majumdar, Shivankit Parihar and Kashvi Majumdar appeared in lead roles in the film. This film has been produced by D2R Films, Amazon MGM Studios and produced by Russo Brothers' AGBO.

Horror comedy films are in full swing in Bollywood, now announcement has been made about Bhootnath 3, King Khan's entry?

The third part of Bollywood actor Amitabh Bachchan's film Bhootnath is about to release. T-Series and BR Films are working together on the Bhootnath 3 project. Work is currently underway on its script. At the same time, you will also get to see a surprise with Amitabh in the film. Fans are very excited for its third part. The film may release in the year 2026. You must have come to know that horror horror comedy films were released Stree 2 and the recently released Bhootnath franchise is also Bhootnath will come soon - If the working together for Bhootnath 3. the success of the Bhool Bhulaiyaa successful horror-comedy franchise initial stages, but the producers are on the script right now, as soon as Work is going on the script of the currently in the developmental ????bringing Bhootnath on screen Bhootnath 3 will be ready for work has started and the producers enter? At the same time, you will another actor can enter it along previous Bhootnath films, but in makers are planning to bring him

comedy is dominating Bollywood. This year three and all performed very well at the box office. Munjya, Bhool Bhulaiyaa are living examples of this. Now the working on its third installment. The third part of news is to be believed, T Series and BR Films are According to a report published in Pinkvilla, after franchise, Bhushan Kumar is keen to make another under his banner. Bhootnath 3 is currently in its preparing to bring its third film soon. Work is going it is completed, other things will also be decided. film right now - The report said, "Bhootnath 3 is stage, and the producers are working on the idea of again. If everything goes according to plan, release in 2026. It will go on the floor in 2025. Script are excited for Bhootnath 3." Shah Rukh Khan can also get to see a tremendous twist in this film. Yes, with Amitabh. Shah Rukh Khan did a cameo in the this one it could prove to be a game-changer. The and Amitabh Bachchan together in the third installment. However, a lot of it will depend on the script. The first part came in 2008 - The first part of Bhootnath came in the year 2008. After this, Bhootnath Returns was released in the year 2014. Both these films were directed by Nitesh Tiwari. Fans liked the innocence of the child very much. Apart from this, Big B won the hearts of the people in the role of the ghost. What sets Bhootnath apart from all other horror comedies is the fact that the ghost of Bhootnath is very cute who comes back for a personal reason.